संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 45
पृष्ठ 8
रविवार
02 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शादी के बाद लड़कियों के गुस्सैल...

विचार- इलेक्टोरल बान्ड्सः भाजपा बेनकाब

खेल- विश्व कप के फाइनल में कभी...

सीएम योगी की बच्चों से अपीलः

स्मार्टफोन से बनाएं दूरी, पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची साथी

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। यह पुस्तक मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है।

शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने बच्चों को पुस्तकें वितरित कीं और स्कूली विद्यार्थियों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी अच्छी पुस्तकें होती हैं। उन्होंने भारत की श्रवण परंपरा और गुरु–शिष्य परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की

अद्भुत परंपरा विकसित की।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक महोत्सव आने वाले 9 दिनों तक 200 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी रुचि की पुस्तकें खरीदने का शानदार अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं वेन सिटिजन, कंट्री लीड यानी जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है।

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर की भूमि इसलिए भी विशेष है क्योंकि पिछले 100 वर्षों से गीता प्रेस भारत और विश्व में सनातन धर्म की विचारधारा को अपनी पुस्तकों के माध्यम से पहुंचा रहा है। उन्होंने साहित्यकार फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद, प्रो. विश्वनाथ त्रिपाठी जैसे लेखकों का स्मरण किया और हाल ही में दिवंगत साहित्यकार श्रीराम दरस मिश्र को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तकें हमेशा नई प्रेरणा देती हैं। हमें उनसे जुड़ना चाहिए। अगले 9 दिनों में यहां अनेक विमर्श, परिचर्चा, पुस्तकों के विमोचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ शहर की सभी संस्थाओं को इसमें भागीदारी करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्यभर में पुस्तकालयों का जाल बिछा रही है। प्रदेश की 57,600 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। 1.56 लाख से अधिक प्राथमिक विद्यालयों में से 1.36 लाख विद्यालयों का कायाकल्प किया गया है, जिनमें पुस्तकालय और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो सके।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर अनावश्यक समय व्यर्थ न करें और अपने समय का सदुपयोग पुस्तकों के अध्ययन में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक एग्जाम वारियर्स छात्रों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शक है। इसे हर विद्यार्थी को पढ़ना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छी पुस्तकें न केवल परीक्षा में मदद करती हैं बल्कि जीवन के कठिन समय में भी मार्गदर्शन देती हैं। धार्मिक, पर्यावरणीय, तकनीकी और एआई से जुड़ी पुस्तकों से हमें ज्ञान और प्रेरणा मिलती है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आंगनबाड़ी दीदियों को सम्मानित किया। इसमें निशा, चिंता, प्रेमलता, पुष्पा, बिंद्रावती को मुख्यमंत्री ने पुस्तकें भेंटकर सम्मानित किया।

रजत जयंती पर पीएम मोदी ने कहा-

विकसित छत्तीसगढ़ लिख रहा नई इबारत, अटल प्रतिमा का अनावरण

रायपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और बताया कि कैसे राज्य ने एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है और आगे भी तेजी से विकास होगा। पीएम मोदी ने एक युवा कार्यकर्ता के रूप में अपने समय और छत्तीसगढ़ में काफी समय बिताने को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने छत्तीसगढ़ के परिवर्तन के हर पल को देखा। पीएम मोदी ने नवा रायपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा आज का दिन छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की एक स्वर्णिम शुरुआत है और मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह एक बहुत ही खुशी का दिन है, एक महत्वपूर्ण दिन है।

मोदी ने कहा कि पिछले कई दशकों से इस धरती से मेरा गहरा व्यक्तिगत जुड़ाव रहा है। एक कार्यकर्ता के रूप में मैंने छत्तीसगढ़ में काफी समय बिताया है। इस जगह के लोगों, इस धरती ने मेरे जीवन को आकार देने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ का विजन, इसके निर्माण का संकल्प और उस संकल्प की पूर्ति। रजत जयंती समारोह के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन किया और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का भी अनावरण किया, जिनके नेतृत्व में 1 नवंबर, 2000 को राज्य का गठन हुआ था।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के परिवर्तन के हर पल का साक्षी रहा हूँ। और आज, जब छत्तीसगढ़ अपनी 25 साल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुँच रहा है, मुझे भी इस क्षण का भागीदार बनने का अवसर मिला है।

खड़गे की आरएसएस बैन मांग पर होसबोले का पलटवार:

जनता ने संघ को हमेशा स्वीकारा है

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा संगठन पर प्रतिबंध

ा लगाने के आह्वान का विरोध ा किया। होसबोले ने इस बात पर जोर दिया कि संगठन पर प्रतिबंध लगाने का कोई ष्कारण होना चाहिए, क्योंकि आरएसएस नियमित रूप से राष्ट्र निर्माण में लगा रहता है और जनता ने इसे स्वीकार भी किया है। होसबोले ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में संगठन की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक के दूसरे दिन आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि प्रतिबंध के पीछे कोई न कोई कारण जरूर होगा। राष्ट्र निर्माण में लगे आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने से क्या हासिल होगा? जनता ने आरएसएस को पहले ही स्वीकार कर लिया है।

यह बैठक आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा कचनार शहर में बुलाई गई थी, जिसमें संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की गई। आरएसएस महासचिव की यह टिप्पणी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा संगठन पर प्रतिबंध ा लगाने की मांग के कुछ दिनों बाद आई है। उन्होंने भारत में कानून–व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के लिए आरएसएस और भाजपा को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों का सचमुच सम्मान करते हैं, तो उन्हें आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लेना चाहिए। उन्होंने पूर्व कानून मंत्री द्वारा पहले संगठन पर प्रतिबंध लगाने का हवाला भी दिया।

अमित शाह का विपक्ष पर तीखा हमला, कहा-

जंगलराज नहीं, मोदी-नीतीश के सुशासन से बढ़ेगा बिहार

गोपालगंज,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बिहार के लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए गठबंधन का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों और एनडीए के संकल्प पत्र में उल्लिखित प्रतिबद्धताओं पर प्रकाश डाला। खराब मौसम के कारण गोपालगंज नहीं जा सके अमित शाह ने एक वर्चुअल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ष्एनडीए के समर्थन में यहाँ एकत्रित हुए लोगों की भारी संख्या के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ। लेकिन खराब मौसम के कारण पटना से गोपालगंज जाने की अनुमति नहीं मिली, इसलिए मैं आप सभी से वर्चुअली बात कर रहा हूँ। बिहार में किसानों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एनडीए की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, शाह ने रेखांकित किया कि एनडीए के हाल ही में जारी घोषणापत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की प्रगति के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की रूपरेखा दी गई है। उन्होंने

कहा, कल हमने अपना घोषणापत्र जारी किया। हमने बिहार के विकास के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। लेकिन दो प्रमुख बातें हैं – एक किसानों के लिए और एक महिलाओं के लिए–जिन्हें मैं दोहराना चाहता हूँ। अभी–अभी, प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार ने 1 करोड़ 41 लाख जीविका दीदियों के बैंक खातों में 10,000 रुपये ट्रांसफर किए हैं। हम उन सभी जीविका दीदियों के खातों में विभिन्न माध्यमों से 2 लाख रुपये तक की राशि भेजेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 87 लाख किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये प्रदान करते हैं, एनडीए सरकार बनने के बाद यह राशि बढ़कर 9,000 रुपये हो जाएगी।

विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए, गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि जंगल राज के दौर में बिहार में अराजकता और आपराधिक गतिविधियाँ चरम पर थीं। शाह ने कहा, गोपालगंज के लोग साधु यादव के कारनामों से वाकिफ हैं। जंगल राज के दौरान अनगिनत हत्या की घटनाएं हुईं। इसके बजाय, प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन के लिए काम किया। केंद्रीय मंत्री ने आगे आश्वासन दिया कि एनडीए सरकार अगले पाँच वर्षों के भीतर राज्य की सभी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करेगी।

शाह ने जोर देकर कहा, ष्प्रधानमंत्री मोदी ने बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से शुरू करने का बहुत अच्छा प्रयास किया है। रीगा चीनी मिल को फिर से शुरू कर दिया गया है। जिले में हमने तीन चीनी मिलें, एक इथेनॉल प्लांट, चावल मिल, आटा मिल और एक डेयरी प्लांट शुरू करने का काम शुरू किया है। हम अगले पाँच वर्षों के भीतर बिहार की सभी बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से शुरू करके किसानों की समृद्धि के लिए काम करेंगे। महाठगबंधन के लोग एमएसपी की बात कर रहे हैं। मैं बिहार के किसानों को बताना चाहता हूँ कि 2014–15 में धान का एमएसपी 1,310 रुपये था, हमने इसे बढ़ाकर 2,400 रुपये कर दिया है। इसमें 81प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सीएम नीतीश बोले-

अब 'बिहारी' कहलाना अपमान नहीं, सम्मान की बात है,

पटना,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा चुनाव से पहले एक वीडियो संदेश जारी कर राज्यवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से लगातार बिहार की सेवा करने का अवसर जनता ने उन्हें दिया है और इस दौरान राज्य में विकास व सामाजिक सौहार्द को

प्राथमिकता दी गई है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जब हमने शासन संभाला था, तब 'बिहारी' कहलाना एक अपमान माना जाता था। हमने ईमानदारी और पूरी मेहनत से काम किया। आज 'बिहारी' कहलाना गर्व की बात है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि सरकार ने हर वर्ग के लिए समान रूप से काम किया है। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, सवर्ण, पिछड़े, अति–पिछड़े, दलित या महादलित सबके विकास के लिए काम हुआ है। मैंने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया, केवल जनता की सेवा की है। सीएम नीतीश ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बिहार के विकास की कुंजी बताया। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य दोनों जगह एनडीए की सरकार होने से विकास की रफ्तार और तेज हुई है। बिहार में अब विकास के साथ–साथ कानून–व्यवस्था भी मजबूत हुई है। नीतीश कुमार का यह वीडियो संदेश सोशल मीडिया पर जारी किया गया है।

एलजी सिन्हा बोले- स्टेटहुड न होना खराब प्रदर्शन का बहाना नहीं

श्रीनगर,एजेंसी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू– कश्मीर की निर्वाचित सरकार के पास सभी अधिकार हैं। लिहाजा राज्य का दर्जा नहीं मिलने को खराब प्रदर्शन का बहाना नहीं बनाया जा सकता। एसकेआईसीसी में जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में कह चुके हैं कि पहले परिसीमन, फिर विधानसभा चुनाव और फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। पर, कुछ लोगों को कुछ समस्याएं हैं। जब चुनाव हुए तो यह स्पष्ट था कि चुनाव केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा के लिए हो रहे हैं। वे (निर्वाचित सरकार) यह बहाना नहीं बना सकते कि राज्य का दर्जा बहाल होने तक काम नहीं किया जा सकता।

एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि निर्वाचित सरकार के पास सभी अधिकार हैं और राज्य का दर्जा न होने के बहाने लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार को अपनी शक्तियों का इस्तेमाल लोगों की भलाई के लिए करना चाहिए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला व नेकां अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने एलजी के बयान पर कड़ा पलटवार किया है। उमर ने कहा, एलजी को कम से कम सुप्रीम कोर्ट और संसद में जम्मू कश्मीर के लोगों से किए गए वादे के बारे में तो बात करनी चाहिए।

महागठबंधन के लिए वोट मांगने बेगूसराय पहुंचीं प्रियंका गांधी, कहा- भाजपा आपका हक छीनना चाहती है

पटना,एजेंसी। बेगूसराय में कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री प्रियंका गांधी ने अपनी चुनावी सभा की। उन्होंने कहा कि मैं बेगूसराय वासियों और बिहार की धरती को नमन करती हूं। प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में बहन–बेटियों को आगे बढ़ाने का काम क्यों नहीं हो रहा है। महात्मा गांधी ने ही यहां से संविधान के लिए लड़ाई शुरू की। लेकिन, आज संविधान पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। 20 साल से यहां जो सरकार है, वह आपका हक छीनना चाहती है। संविधान ने आपको वोट करने का अधिकार दिया है। इसका मतलब यह है कि आप इस देश के नागरिक हो। सबका आधार यही है कि आप वोट देते हैं। लेकिन, इसे कमजोर करने का काम नरेंद्र मोदी और भाजपा की सरकार ने किया है। बिहार में 20 साल से एनडीए की सरकार है। लेकिन, आपको कमजोर करने की साजिश की गई। आपको बांटने की साजिश की गई। जाति और धर्म के नाम पर आपको लड़वाया। आपका ध्यान भटकाने के लिए रोज अलग–अलग मुद्दा उठाया गया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य के तहत बिहार के 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए। आपको सारे अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। इस कारण आप सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाएंगे। एक बड़ी साजिश रची जा रही है। बिहार में नौकरियां नहीं मिलती है। रोजगार नहीं मिलने के कारण यहां के लोग देश भर में पलायन कर रहे हैं। केरल से लेकर कश्मीर तक बिहार से पलायन कर लोग मजदूरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप अब खेती–किसानी से भी नहीं कमा रहे हैं। महंगाई चरम पर है। सारी संपत्ति अदाणी और अंबानी को बेच रहे हैं। देश की संपत्तियों को बेचा जा रहा है। सारी कंपनियों को पीएम मोदी ने अपने दो दोस्तों को पकड़ा दिया है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि एनडीए सरकार के बड़े–बड़े नेता मंच पर आकर कहते हैं हमलोग एक करोड़ रोजगार देंगे। लेकिन, आप यह क्यों नहीं बता रहे हैं कि 20 साल में रोजगार क्यों नहीं दिया। अब इनके पास कुछ नहीं बचा है। सिर्फ बड़े–बड़े वादे करेंगे। पोस्टर के लिए प्रचार करेंगे। कहेंगे कि आपका जीवन बदल गया है। लेकिन, आप बताइए इस महंगाई में क्या बदला है। महंगाई बढ़ गई है। आप खिलाएंगे क्या? बिहार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ चुके हैं। वह आज भी सुरक्षित नहीं हैं। एनडीए सरकार ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। वह आप भी डरी हुई है।

पीएम मोदी कहते हैं इस बार डबल इंजन की सरकार को जीत दिलाइए लेकिन वह झूठ बोल रहे हैं। सिंगल इंजन की सरकार है। सीएम नीतीश कुमार की भी वह नहीं सुनते हैं। सारे फैसले दिल्ली से लिए जा रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार को सम्मान नहीं दिया जा रहा है। वह लोग उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं। इसलिए आपको बदलाव लाना पड़ेगा। एक नया बिहार बनाने के लिए महागठबंधन की सरकार बनानी होगी। सरकार बनने पर हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी। 200 यूनिट बिजली दी जाएगी।

एसआईआर में वोट सुरक्षित हेतु सभी सपा कार्यकर्ता संभाले कमानः ज़िया चौधरी

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता एस आई आर में किसी भी मनमानी व जानबूझकर मतदाताओं की वोट काटने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी ने कहा कि मतदाताओं की वोट सुरक्षा व पारदर्शी अभियान में समाजवादी पार्टी प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेगी लेकिन साजिशन वोट चोरी पर समाजवादी पार्टी खामोश नहीं रहेगी। उन्होंने जिले के सभी समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदाताओं की वोट सुरक्षित हेतु

प्रत्येक बूथ पर कमान संभालने व मतदाताओं में उक्त अभियान के नियम बताने तथा अपने क्षेत्रीय बीएलओ से लगातार संवाद सर्तकता बरतने का आह्वान किया। मासिक बैठक को समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष बॉबी त्यागी,प्रदेश सचिव नौशाद अली पूर्व जिलाध्यक्ष सतेंद्र सैनी, सपा नेता सोमपाल सिंह कोरी, साजिद हसन,पवन बंसल,असद पाशा,सपा सभासद नदीम खान, सपा नेता चौधरी ओमपाल सिंह,पवन पाल आदि ने संबोधित किया।

मीटिंग में मुख्य रूप से समाजवादी युवजन सभा राष्ट्रीय सचिव सचिन पाल, समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव पूजा अनिल अंबेडकर,सपा नेता चौधरी विकिल गोल्डी अहलावत,अमीर कासिम एडवोकेट,यूथ ब्रिगेड राष्ट्रीय सचिव फ़हीम अहमद,पूर्व जिलाध्यक्ष युवजन सभा फिरोज अंसारी,पूर्व जिलाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड राशिद मलिक,सलीम अंसारी,अंकित शर्मा, धर्मेंद्र सिंह नीटू, बालेंद्र मौर्य,हनीफ इदरीसी, फैसल राणा एडवोकेट, नदीम मलिक, लोकेंद्र कुमार, सपा सभासद शहजाद चीकू, रुस्तम राणा, हसीब राणा,जाउल चौधरी,सैयद मोहम्मद मेंहदी,राशिद जैदी,आयुष चौधरी,इरफान मलिक गौरव,हर्ष त्यागी,सलीम कुरैशी सहित अनेक सपा नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा इस माह का 'साहित्य सत्कार आपके द्वार' योजना में दिया जाने वाला 'साहित्य रत्न सम्मान'

प्रयागराज। २ नवम्बर २०२५ दिन रविवार को तीन बजे से कवि शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला के आवास पर इन्हें दिया जाएगा। आप इसमें सादर आमंत्रित हैं। रविवार को दोपहर के बाद 'दो बजे साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के सिविल लाइन कार्यालय पत्रिका हाउस के सामने आप सभी आ जाएं तो सब एक साथ मिलकर वहां चलेंगे' जो भी सम्मानित साहित्यकार सीधे मतवाला जी के आवास पर पहुंचें तो उनका भी हार्दिक स्वागत है।

उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति प्रयागराज इकाई ने डीएम से की मुलाकात

पत्रकार एल.एन. सिंह के परिजनों को आर्थिक सहायता व आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

प्रयागराज। 31 अक्टूबर को आल इंडिया स्माल एण्ड मीडियम न्यूज पेपर फेडरेशन (।प्डछथ) एवं उप्र पत्रकार मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा से मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री उप्र को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

बता दें कि प्रयागराज के स्थानीय पत्रकार एल. एन. सिंह

की असामाजिक तत्वों द्वारा चाकुओं से गोद कर नृशंस हत्या के बाद पूरे मीडिया जगत में शोक और आक्रोश की लहर है। इस जघन्य वारदात ने एक बार फिर से पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। पत्रकारों की बढ़ती असुरक्षा को देखते हुए प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उप्र को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

फेडरेशन की ओर से प्रस्तुत मांगों में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ष्पत्रकार सुरक्षा कानूनष् का शीघ्र लागू किया जाना आवश्यक है। इसके साथ ही मृतक पत्रकार एल. एन. सिंह के परिजनों को सम्मानजनक आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा उनके बच्चों की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था किए जाने की मांग भी की गई है।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि एल. एन. सिंह हत्याकांड के अभियुक्तों के खिलाफ कठोर से कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकी जा सके। साथ ही, यह भी मांग की गई है कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त उन पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड तत्काल बनाए जाएं, जिन्हें अब तक इस सुविधा से वंचित रखा गया है। जिला अधिकारी प्रयागराज से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में अनिल त्रिपाठी महामंत्री , (।प्डैछथ),परवेज आलम उपाध्यक्ष (।प्डैछथ), ,कुलदीप सिंह जिला अध्यक्ष(।प्डैछथ), एसके मिश्रा वरिष्ठ सदस्य (।प्डैछथ), दीपक चतुर्वेदी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी से मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित ज्ञापन को एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रेषित कर दिया।

मिट्टी के बर्तनों को बड़े बाजार की दरकार, तभी मिलेगा स्थायी रोजगार

प्रयागराज। करमा के कुम्हार अपने पारंपरिक व्यवसाय में लगे हुए हैं, लेकिन आधुनिकता के कारण उनके काम में कमी आई है। पहले मिट्टी के बर्तनों का अधिक उपयोग होता था, लेकिन अब प्लास्टिक और स्टील के बर्तनों ने उनकी जगह ले ली है।

करमा ग्रामीण क्षेत्रों में जब गांव बसे तो वहां हर बिरादरी के लोग बसाए गए जिससे आपसी सौहार्द के साथ ही लोगों का हर कार्य सुगमता से होता रहे और सबका भरण पोषण भी चलता रहे। लगभग हर गांव में अन्य लोगों के अलावा नाई, धोबी, कुम्हार और मुसहर बिरादरी के लोग अवश्य होते थे जो अपने व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार का खर्च चलाते थे। नाई गांव के लोगों के बाल काटकर, धोबी कपड़े धोकर, कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाकर तो मुसहर लोग शादी विवाह में दोना पत्तल आदि बनाकर अपने परिवार का पालन पोषण करते थे लेकिन आधुनिकता के दौर ने इनके व्यवसाय पर गहरा असर डाला और इन परिवारों के लोग अन्य धंधों से जुड़ने के लिए गांवों से पलायन कर महानगरों की ओर रुख किया और वहीं के होकर रह गए।

कुछ दशक पहले गांवों में मिट्टी के बर्तनों का अधिक मात्रा में उपयोग किया जाता था। किसानों द्वारा गाय, भैंस से निकाले गए दूध को पकाने, मट्ठा तैयार करने, घी रखने सहित अन्य कार्यों के लिए मिट्टी की बर्तनों का प्रयोग किया जाता था। पीने के पानी के अलावा आटा, चावल, दाल आदि भी मिट्टी के बड़े घड़ों में रखे जाते थे। शादी विवाह या अन्य उत्सवों में अतिथियों को मिट्टी के कुल्हड़ में पानी तथा मिट्टी के ही कसोरे में दही, दूध, सब्जी आदि खाने के लिए दिया जाता था लेकिन वर्तमान समय में मिट्टी के बर्तनों की जगह स्टील, प्लास्टिक आदि द्वारा बनाये गए बर्तनों ने ले लिया जिससे कुम्हारों का व्यवसाय प्रभावित हुआ। क्षेत्र के कई गांवों में कुम्हार अपना कार्य कर रहे हैं लेकिन करमा में कई परिवार के लोग अपना पुश्तैनी काम करके अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। ये परिवार इस समय दीवाली के दिये, गुल्लक व मिट्टी के खिलौने बनाने में लगे हुए हैं। कुम्हारों ने बताया कि पहले वर्ष भर काम चलता रहता था। कुल्हड़, कसोरे, छोटी मटकी, बड़े घड़े आदि की अच्छी

खपत होती थी। सबसे ज्यादा लाभ मकानों की छवाई के लिए खपड़े बनाने में होता था। खपड़े बनाने में पूरा परिवार लग जाता था क्योंकि एक मकान की छवाई कराने में कई हजार खपड़े की आवश्यकता होती थी। समय के साथ मकान पक्के बनने लगे, घर के सामान स्टील व लोहे से बने बर्तनों में रखे जाने लगे तथा शादी विवाह में लोग फाइवर के बर्तन इस्तेमाल करने लगे जिससे आमदनी प्रभावित हुई। कठिन काम है मिट्टी के बर्तन तैयार करना मिट्टी के बर्तन, खिलौने, गुल्लक आदि बनाने में कुम्हारों को अथक परिश्रम करना पड़ता है। सबसे पहले बर्तन बनाने लायक मिट्टी का चुनाव करना, उसे भिगोना, फिर चाक चलाकर उसमे मिट्टी के बर्तन बनाना मेहनत का काम है। बर्तन तैयार होने के बाद उसे सुखाकर आग में पकाया जाता है। करमा के कुम्हार महादेव ने बताया कि लोगों ने पशुपालन कम कर दिया है जिससे बर्तन को पकाने के लिए कंडे भी आसानी से नहीं मिल पाते। कुछ लोग व्यावसायिक दृष्टिकोण से उपले तैयार करते हैं जो 100 से 120 रुपये प्रति सैकड़ा मिलता है। केवल कुल्हड़ की बिक्री पर टिका है व्यवसाय वर्तमान समय में केवल कुल्हड़ का व्यवसाय है जो वर्ष भर चलता रहता है जबकि अन्य बर्तन समय समय पर बनाये जाते हैं। चाय में प्रयोग आने वाले कुल्हड़ की मांग कई बाजारों से होती है जिसे बनाने के लिए कुछ कुम्हारों ने बिजली से चलने वाला चाक खरीद लिया है। कुछ लोग अभी हाथ से ही चलने वाले चाक का प्रयोग करते हैं। करमा के कई कुम्हार परिवार के लोगों ने कहा कि उनकी मदद के लिए सरकार को आगे आना चाहिए। सरकार द्वारा बिजली से चलने वाले चाक के अलावा मिट्टी के लिए तालाब का पट्टा देना चाहिए जिससे बर्तन बनाने के लिए मिट्टी आसानी से मिल सके। कुम्हारों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता अपनी परंपरा को जीवित रखने वाले कुम्हारों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। डॉ अमरनाथ सिंह, अनुराग जायसवाल आदि ने कहा कि मिट्टी से बने बर्तनों से होने वाले लाभ को देखते हुए हमें अधिक से अधिक उनका प्रयोग करना चाहिए। सरकार सहित प्रमुख कल्याणकारी संस्थाओं को भी आगे आकर इनकी सहायता करना चाहिए जिससे कुम्हारों का जीविकोपार्जन हो सके तथा हमारी प्राचीन परंपराएं जीवित रहें। बोले जिम्मेदार कुम्हार हमारी परंपरा और संस्कृति के संवाहक हैं। दीपावली पर इनके कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए ब्लॉक स्तर पर योजना बनाई जा रही है। मिट्टी, ईंधन और विपणन की सुविधा उपलब्ध कराकर इनकी आजीविका को सशक्त करने का प्रयास किया जाएगा। – अमित मिश्र, बीडीओ कौंधियारा कुम्हारों के लिए मिट्टी की समस्याओं को दूर करने का पूरा प्रयास किया जाएगा तथा उन्हें बिजली से चलने वाले चाक प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार तक बात पहुंचाई जाएगी जिससे कुम्हार भाइयों को उनके पुश्तैनी कार्य को आगे बढ़ाते हुए लाभ अर्जित करने का अवसर प्राप्त हो सके। –इंद्रनाथ मिश्र, ब्लॉक प्रमुख कौंधियारा हमारी ग्राम पंचायत में कुम्हार भाई मिट्टी के बर्तन बनाने का काम कर रहे हैं। आधुनिकता के दौर में उनका व्यवसाय प्रभावित अवश्य हुआ है लेकिन वे अपने काम मे लगे हैं। उन्हें किसी तरह की समस्या नहीं है। यदि वे कोई समस्या रखते हैं तो उसका निदान किया जाएगा। – अमरीश जायसवाल, प्रधान करमा

करमा गांव में कई परिवार के लोग अपने पुश्तैनी व्यवसाय में लगकर काम कर रहे हैं आसपास के गांवों में भी कुछ कुम्हार परिवार मिट्टी के बर्तन बना रहे हैं। करमा में कुम्हार बस्ती के पास ही एक तालाब है जहां से उन्हें मिट्टी उपलब्ध हो जाती है। सरकार को उनकी अन्य समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। –अमरबहादुर सिंह, पूर्व प्रधान करमा हमारे बस्ती के बगल में तालाब है जिसकी मिट्टी बर्तन बनाने के लिए बहुत उपयोगी है लेकिन कभी कभी तालाब की मिट्टी अन्य कामों के लिए निकाल ली जाती है जिससे समस्या होती है। यदि कुम्हारों की मिट्टी के लिए तालाब का पट्टा कर दिया जाय तो बर्तन बनाने के लिए मिट्टी की समस्या दूर हो जाएगी। –त्रिभुवन नाथ प्रजापति, करमा पहले मिट्टी के कई तरह के बर्तनों की मांग थी लेकिन अब उसमें कमी आई है। अब केवल कुल्हड़, दियाली आदि की मांग बाजार में ज्यादा है। हाथ वाले चाक से बर्तन बनाने में समय अधिक लगता है। यदि सरकार बिजली से चलने वाले चाक अनुदान राशि मे उपलब्ध करा दे तो हम लोगों की आमदनी में बढ़ोत्तरी हो जाएगी। –श्यामबाबू प्रजापति, करमा अब कुम्हारों के बर्तनों में सबसे अधिक मांग कुल्हड़ की होती है। यदि कहीं से इकट्ठा ऑर्डर आ जाता है तो बहुत खुशी होती है लेकिन जब बड़ा ऑर्डर नहीं आता तो बच्चों को बाजार में चाय की दुकानों में घूम घूमकर कुल्हड़ बेचना पड़ता है। –महादेव प्रजापति, करमा कुम्हार भाई हमारी पुरानी परंपरा को जीवित रखकर अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए मिट्टी के बर्तन बना रहे हैं। इस परंपरा को संजोए रखने के लिए समाज को आगे आना चाहिए तथा सरकार को उनके विकास के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाना चाहिए। –केशव पाण्डेय, समाजसेवी करमा आधुनिक प्लास्टिक व मशीन से बने सामानों की प्रतिस्पर्धा, मिट्टी व उपले जैसी कच्ची सामग्री की बढ़ती लागत और निर्मित सामान की घटती उपलब्धता जैसी अनेक समस्याएं होते हुए भी कुम्हार भाई अपने पुश्तैनी व्यवसाय में लगे हैं जो प्रशंसनीय है। –अनिल विश्वकर्मा, समाजसेवी बलापुर मेहनत और लागत के अनुसार कम कमाई होने के कारण नई पीढ़ी के युवा अपना पैतृक व्यवसाय छोड़कर बाहर नौकरी कर रहे हैं लेकिन हमारे गांव के कई परिवार इस धंधे से जुड़े हुए हैं। सरकार को चाहिए कि कुम्हारों के इस व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाकर उन्हें प्रोत्साहित करें। – नरेंद्र कुमार जायसवाल, समाजसेवी करमा हम लोगों के बचपन में कुम्हार भाइयों द्वारा बनाये गए छोटे, बड़े घड़े, मटके, दीये, कुल्हड़ आदि घर मे प्रयोग किये जाते थे तो घरों की छवाई उनके द्वारा बनाये गए खपड़े से की जाती थी। समय के साथ उनके सामने कई चुनौतियां आई हैं। सरकार द्वारा उनका सहयोग अपेक्षित है। – अनिल कुमार शुक्ल, दानपुर कुम्हार भाइयों का जीवन बहुत ही संघर्षपूर्ण होता है। हमेशा मिट्टी में रहना, परिश्रम कर उसे सुंदर बर्तन का रूप देना, आग में पकाकर उसे मजबूत और आकर्षक बनाने के बाद उसे बाजार में बेचने की समस्या होती है जिसका समुचित निदान बहुत ही आवश्यक है। –धर्मेंद्र साहू करमा

ऊंची कूद में अमित की स्वर्णिम छलांग, पोल वॉल्ट में प्रेक्षा की झोली में सोना

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में शुक्रवार को 69वीं प्रदेशीय विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दूसरे दिन प्रयागराज के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। बारिश के बीच पोल वॉल्ट अंडर–17 के बालिका वर्ग में प्रेक्षा पटेल ने सोने पर कब्जा जमाया। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में शुक्रवार को 69वीं प्रदेशीय विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दूसरे दिन प्रयागराज के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। बारिश के बीच पोल वॉल्ट अंडर–17 के बालिका वर्ग में प्रेक्षा पटेल ने सोने पर कब्जा जमाया। वहीं, जिले की नैंसी यादव ने रजत पदक अपने नाम किया। जबकि मिर्जापुर की स्नेहा सिंह को कांस्य मिला। ऊंची कूद अंडर–17 के बालक वर्ग में जिले के अमित कुमार यादव ने स्वर्णिम छलांग लगाई। जबकि वाराणसी के ऋषभ को रजत और अयोध्या के दिव्यांशु को कांस्य पदक मिला।

भाला फेंक अंडर–19 के बालक वर्ग में लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के अनीश यादव प्रथम, मेरठ के करण द्वितीय और प्रयागराज के अवनीश कुमार तृतीय रहे। हाई जंप में सहारनपुर के हरदीप ने पहला, अयोध्या के रामानंद सिंह ने दूसरा और मुरादाबाद प्रियांशु ने तीसरा स्थान हासिल किया। तीन हजार मीटर में मेरठ के अभिषेक ने बाजी मारी। वहीं, वाराणसी के विकास कुमार द्वितीय और शिवकुमार गुप्ता तृतीय स्थान गोरखपुर के प्रसिद्ध नाथ ने दूसरा और सैफई स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज के आर्यन राणा ने तीसरा स्थान हासिल किया। 1500 मीटर दौड़ में लखनऊ स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज के मोहम्मद समीर खान ने स्वर्ण, विंध्याचल के विनय कुमार ने रजत और मेरठ के हिमांशु ने कांस्य पदक अपनी झोली डाला।

गोला फेंक अंडर–14 के बालक वर्ग में लखनऊ स्थित

स्पोर्ट्स कॉलेज के अरशद खान ने प्रथम, वाराणसी के विवेक यादव ने द्वितीय और मुरादाबाद के देवांश ने तृतीय स्थान हासिल किया।

लंबी कूद में लखनऊ स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज अरशद खान ने प्रथम, प्रयागराज के साहिल पटेल ने द्वितीय और मुरादाबाद के मोहम्मद अर्श ने तृतीय स्थान हासिल किया।

वहीं, ऊंची कूद में सैफई स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज के अभिराम ने पहला, मुरादाबाद के मोहम्मद अर्श ने दूसरा और प्रयागराज के देवेश प्रताप सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया।

ट्रिपल जंप अंडर–19 के बालिका वर्ग में आजमगढ़ की निधि प्रथम, प्रयागराज की नैंसी द्वितीय और बरेली की निशा तृतीय रहीं। ऊंची कूद में मिर्जापुर अंशिका यादव प्रथम रहीं। तीन हजार मीटर में गोरखपुर की प्रतिज्ञा पन्ना प्रथम, वाराणसी की मनीषा राय द्वितीय और सहारनपुर की गार्गी तृतीय रहीं। गोला फेंक में मेरठ की दीपाली प्रथम, अयोध्या की अंकिता यादव द्वितीय और वाराणसी की प्रीति कुमारी तृतीय रहीं।

तीन हजार मीटर अंडर–17 के बालिका वर्ग में वाराणसी की आरती यादव प्रथम, वहीं की चांदनी द्वितीय और सहारनपुर की निधि रानी तृतीय रहीं। गोला फेंक में मुरादाबाद की हिमिका सिद्धू प्रथम, अलीगढ़ की दिव्या कुमारी द्वितीय और मेरठ की कीर्ति चौधरी तृतीय रहीं। एथलीटों को संयुक्त शिक्षा निदेशक आरएन विश्वकर्मा ने मेडल प्रदान किया। इस दौरान सह जिला विद्यालय निरीक्षक जितेन प्रताप सिंह और अजय कुमार गिरि मौजूद रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में खेल सचिव ब्रजेश चंद्र श्रीवास्तव, रविंद्र मिश्रा, अजय सिंह यादव, डॉ. अनूप श्रीवास्तव, मुकेश सिंह, अरविंद गौतम और राकेश श्रीवास्तव ने अहम योगदान दिया।

गोला फेंक में प्रयागराज की सुषमा अव्वल, गोरखपुर की जया दूसरे पर

गोला फेंक अंडर–14 बालिका वर्ग में प्रयागराज की सुषमा यादव प्रथम, गोरखपुर की जया यादव द्वितीय और लखनऊ की विधि शुक्ला तृतीय रहीं। ऊंची कूद में कानपुर की नैंसी प्रथम और आगरा की रिंकी द्वितीय रहीं।

लायंस क्लब के साथी सेवा कार्य से समाज में पहचान बनाएं: डा. अर्पण धर दुबे

विश्व के 210 देशों में लायंस क्लब के 14 लाख से अधिक सदस्यः सौरभकांत

प्रतापगढ़। लायंस क्लब इंटरनेशनल 321 के मंडल अध्यक्ष एम.जे.एफ. लायन डॉ. अर्पण धर दुबे ने कहा कि लायंस क्लब के सदस्य सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। लायंस क्लब का प्रमुख उद्देश्य समाज के निर्बल और असहाय वर्गों को सहायता पहुंचाकर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि क्लब के सदस्य रक्तदान, चिकित्सा शिविर, पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा क्षेत्र में कार्य कर समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनें। अधिक से अधिक रक्तदान कर जरूरतमंदों को जीवनदान देना सबसे बड़ी सेवा है।

डॉ. दुबे प्रतापगढ़ में आयोजित "लायंस क्लब प्रतापगढ़ अवध" के अधिष्ठापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने सदस्यों से स्थायी परियोजनाओं के संचालन पर बल देने

का आह्वान किया। समारोह के मुख्य वक्ता एम.जे.एफ. सौरभकांत श्रीवास्तव ने बताया कि लायंस इंटरनेशनल विश्व के 210 देशों में कार्यरत है और इसके 14 लाख से अधिक सदस्य हैं। यह विश्व की सबसे बड़ी सेवा संस्थाओं में से एक है।

उपमंडलाध्यक्ष प्रथम एम.जे.एफ. उदय चंदानी ने लायंस क्लब प्रतापगढ़ अवध के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें सेवा भावना के साथ कार्य करने का संदेश दिया। उपमंडलाध्यक्ष एम.जे.एफ. उमेश कक्कड़ ने नवीन सदस्यों को दीक्षा दी।

समारोह को पूर्व मंडलाध्यक्ष सतीश चंद्र श्रीवास्तव, मंडल सचिव मनोज खत्री, मंडल कोषाध्यक्ष एस.के. शुक्ला तथा जोन चेयरपर्सन डॉ. अवंतिका पांडे ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष डॉ. उमाकांत ओझा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि सहित लायंस क्लब हर्ष, गौरव, शक्ति के पी.एस.टी. एवं अन्य पदाधिकारियों को अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब अवध के प्रशासक संतोष पांडे, सचिव श्याम शंकर द्विवेदी,उपाध्यक्ष रामकुमार पांडे, उदय मिश्र, मार्केटिंग कम्युनिकेश चेयरपर्सन के.के. पांडेय, रक्तदान चेयरपर्सन अजय मिश्रा, निदेशक नीलेश मिश्रा सर्विस चेयरपरसन डा.ए.के. सिंह, अजय मिश्र ने शपथ ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉ. पीयूषकांत शर्मा, श्रीश श्रीवास्तव, आशुतोष तिवारी, आर.बी. सिंह, अशोक सिंह, हरिशंकर सिंह हैप्पी, क्षितिज श्रीवास्तव, अजय पाण्डेय, कुसुम गुप्ता पिंकी दयाल, लक्ष्मी मिश्रा, अनीता पाण्डेय, प्रमिला शुक्ला, अमोलक सिंह, अर्पित खण्डेलवाल, आकाश डालमिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता के महान शिल्पीकार सरदार पटेल की मनाई जयंती

प्रयागराज। जिले के विष्णापुरी कालोनी मे हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जय सरदार सेवा समिति के द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती धूम धाम से मनाई गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जय चंद पूर्व क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे। ये कार्यक्रम जय सरदार सेवा समिति के अध्यक्ष तीर्थ राज सिंह, उपाध्यक्ष ध्यान सिंह, सचिव कमला देवी, कोषाध्यक्ष गौरीशंकर, उप सचिव अर्जुन सिंह, मान सिंह आंतरिक लेखा परीक्षक, सदस्यों में शैलेंद्र सिंह, संजय सिंह, लवलेश सिंह, वीरेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों के नेतृत्व में

सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन कर याद किया गया। मुख्य संरक्षक जगत पाल सिंह ने उनके जीवन परिचय पर चर्चा की और उनके बताए हुए मार्गों पर चलने की बात कही। वही जय सरदार सेवा समिति के संरक्षक लक्ष्मण सिंह प्रधान संरक्षक, जगत पाल सिंह मुख्य संरक्षक, डॉ अशोक कुमार, हरिनंद सिंह, कुशल सिंह, डीआर वर्मा, मनोज कुमार सिंह, राजेश सिंह, केशन सिंह, महेंद्र सिंह, हेमंत सिंह, हरिहर नाथ सिंह ने बताया कि आज सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विष्णापुरी कालोनी में एक विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापुरुष को पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके जीवन और कार्यों पर विचार व्यक्त किए गए।

सरदार वल्लभभाई पटेल की इस जयंती को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोग और वक्ता उपस्थित रहे। सभी ने महापुरुष के बारे में अपने अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में खाने–पीने की व्यवस्थाएं की गई थी। बच्चो ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए । अंशिका सिंह व अंश सिंह ने बहुत ही अच्छा नत्य व गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाया गया। हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। शैलेंद्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल की दूरदर्शिता और नेतृत्व देश को एकजुट करने में निर्णायक रही है। सभी लोगो ने उपस्थित हो कर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर पदाधिकारी व अन्य सम्मानित लोग मौजूद रहे।

साहित्यकार सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रयागराज। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभागार में त्रिवेणी ग्रामोद्योग उत्थान समिति एवं लोकरंजन प्रकाशन द्वारा साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश भर से आए हुए साहित्यकारों को उनकी कृतियों पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो ललित कुमार त्रिपाठी ने की। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की प्रधान संपादक डॉ अमिता दुबे रहीं। विशिष्ट अतिथि डॉ एच पी पाण्डेय रहे। निर्णायक मंडल में लखनऊ की मधुश्री शुक्ला,प्रो रवि मिश्र

और डॉ कल्पना वर्मा सम्मिलित थे। मुख्य अतिथि ने साहित्यकार के लेखन को स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक बताया। विशिष्ट अतिथि ने स्वस्थ समाज के निर्माण में साहित्य की भूमिका पर बल दिया। अध्यक्ष ने ऐसे आयोजनों की महत्ता बताते हुए साहित्य को समाज का दर्पण बताया। अध्यक्ष महोदय ने विश्वविद्यालय की तरफ से आयोजक रंजन पाण्डेय और डॉ आदित्य नारायण सिंह का सम्मान किया। कार्यक्रम में गुजरात की एकता अमित व्यास,उड़ीसा के दिनेश माली,चंडीगढ़ के अजय सिंह राणा,छत्तीसगढ़ की तुलसी तिवारी, पूना की पद्माक्षी शुक्ला,हरियाणा के त्रिलोक चंद फतेहपुरी,भोपाल की डॉ अनीता,मुज्जफर इकबाल सहित अंकुश्री,गोकुल सोनी,लाल देवेंद्र कुमार,भगवान उपाध्याय,ब्रह्मानंद मिश्र,स्नेह सुधा,संपदा मिश्रा आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन लेखक रंजन पाण्डेय ने किया। डॉ आदित्य सिंह ने संस्था के कार्यों के बारे में जानकारी दी।

पूजा विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित पूजा विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:–

गाड़ी संख्या 03291/03292 दानापुर-आनन्द विहार टर्मिनल-दानापुर सुपरफास्ट पूजा विशेष रेलगाड़ी

03291 दानापुर-आनन्द विहार टर्मिनल			03292 आनन्द विहार टर्मिनल-दानापुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	16:15	दानापुर	22:30	-----
22:35	22:40	प्रयागराज जंक्शन	16:45	16:50
00:50	00:55	कानपुर सेन्ट्रल	14:35	14:40
06:30	-----	आनन्द विहार टर्मिनल	-----	09:30

• दानापुर से – गाड़ी संख्या 03291 दिनांक 02.11.2025 • आनन्द विहार टर्मिनल से – गाड़ी संख्या 03292 दिनांक 03.11.2025 गाड़ी संरचना : वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी–02, स्लीपर श्रेणी–06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (इकोनॉमी)–06

गाड़ी संख्या 05511/05512 सहरसा जंक्शन-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा जंक्शन पूजा विशेष रेलगाड़ी

05511 सहरसा जं.-आनन्द विहार टर्मिनल			05512 आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	08:05	सहरसा जंक्शन	17:15	-----
03:00	03:05	कानपुर सेन्ट्रल	20:00	20:05
04:45	04:47	इटावा जंक्शन	17:30	17:32
06:00	06:02	टुण्डला जंक्शन	16:00	16:02
07:30	07:32	अलीगढ़ जंक्शन	14:43	14:45
10:15	-----	आनन्द विहार टर्मिनल	-----	12:00

• सहरसा जंक्शन से – गाड़ी संख्या 05511 दिनांक 02.11.2025 • आनन्द विहार टर्मिनल से – गाड़ी संख्या 05512 दिनांक 03.11.2025 गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी –05, स्लीपर श्रेणी–10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी–01

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2067/25 (C)

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर यातायात माह का किया शुभारंभ,यातायात के नियमों की दिलाई शपथ

यातायात माह जागरूकता कार्यक्रम के बाद एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी,यातायात नियमों का पालन न केवल अपनी सुरक्षा के लिए बल्कि दूसरों के जीवन की रक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यकः पुलिस अधीक्षक क्राईम इंदु सिद्धार्थ

मुज़फ्फरनगर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में फीता काटकर व दिपप्रज्ज्वलित करके यातायात माह का शुभारंभ किया। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने कहा कि वाहन चालकों से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात के नियमों का पालन करने की अपील भी की।एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने कहा कि भारत में हर साल यातायात नियमों को न मानने से मरने वालों की संख्या 1 लाख 60 हजार है। यह एक बहुत ही गंभीर समस्या है, जो मुख्य रूप से यातायात नियमों के उल्लंघन, जैसे कि गति सीमा पार करना, नशे में गाड़ी चलाना, और सीट बेल्ट या हेलमेट न पहनना आदि के कारण होती है। तो वहीं इस अवसर पर पुलिस लाइन्स में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें पुलिस अधिकारियों द्वारा वाहन चालकों व वाहनों का प्रयोग करने वाले लोगों का जागरूक किया गया।कार्यक्रम में बताया गया कि वाहनों को सावधानी पूर्वक व नियमानुसार चलाएं। बाईक ड्राइव करने के दौरान हेलमेट का उपयोग अवश्य करें व तेज वाहन न चलाएं ओर चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें।साथ ही वाहन चलाते समय नशीली सामाग्रीयों का सेवन न करने

को लेकर जागरूक किया गया।यातायात माह पूरे नवम्बर तक चलाया जायेगा और इस दौरान विशेष तौर पर स्कूली वाहनों पर निगरानी रखी जायेगी व स्कूल संचालकों को इसके प्रति निर्देशित किया जायेगा।माना जा रहा है कि हर साल की तरह इस साल भी यातायात के माध्यम से काफी हद तक दुर्घटनाओं पर रोक लगाने में सहायता मिलेगी।पुलिस अधीक्षक क्राईम इंदु सिद्धार्थ ने छात्र –छात्राओं से आह्वान किया कि जिस तरह वह अपने माता–पिता से जिद कर वस्तु हासिल करते हैं, उसी तरह वह अपने अभिभावकों से यातायात के नियमों का पालन करने, हेलमेट लगाने तथा दुपहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने, सीट बेल्ट बांधने की भी जिद करें तथा अपने अभिभावकों से यातायात के नियमों का पालन कराने का काम करें जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ–साथ सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी लाई जा सके,यातायात का नियमों का पालन करें और सुरक्षित घर पहुंचे। इंदु सिद्धार्थ ने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाने वालों पर कसेगा शिकंजा व वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाने वालों पर जिला पुलिस एक बार फिर शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है और यातायात के नियमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारे जीवन में यातायात के नियमों का पालन अति आवश्यक है हम जितने जागरूक रहेंगे उतना ही जीवन सुरक्षित रहेगा। यातायात माह जागरूकता कार्यक्रम के बाद एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली का उद्देश्य आम लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था।इस अवसर पर एनसीसी के अधिकारी कर्नल प्रवीण भाल, पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ, सहायक पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के. मिश्रा, क्षेत्राधिकारी यातायात रविन्द्र प्रताप सिंह, रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक प्रभात सिंन्हा , सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सुशील कुमार मिश्रा, सीएफओ अनुराग कुमार, प्रतिसार निरीक्षक ऊदल सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साइबर जागरूकता आज समय की मांग है

साइबर धोखाधड़ी सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान

प्रतापगढ़। समाज में साइबर ठगों द्वारा विभिन्न प्रकार की साइबर ठगी द्वारा, डिजिटल अरेस्ट, म्यूल अकाउंट खोलवाकर अथवा डरा धमकाकर, भय दिखा कर, बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आज "साइबर धोखाधड़ी जागरूकता अभियानष संबंधी कार्यक्रम का आयोजन बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, गोंडे, प्रतापगढ़ के परिसर में किया गया।

इस अवसर पर बैंक आफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, जौनपुर से पधारे उप क्षेत्रीय प्रबंधक हरि शंकर प्रसाद ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने में ऐसे कार्यक्रम, गोष्ठियां और बैंकों तथा पुलिस प्रशासन के सेवक से आम जन को जागरूक किया जाना बहुत आवश्यक हो गया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे सब इंस्पेक्टर साइबर सेल प्रतापगढ़ विंध्यवासिनी तिवारी ने आमजन को ऐसे साइबर ठगों द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रकार के धोखाधड़ी, विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट, म्यूल अकाउंट, ऑनलाइन ट्रेडिंग, जैसी बातों पर प्रकाश डाला,

और इनसे बचने के लिए आह्वाहन किया। कहा कि समाज किसी भी ऐसी घटना को बढ़ावा ना दे। युवा छोटे से लालच, भय अथवा ब्लैकमेल होकर सतर्क रहें, सावधान रहें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साइबर सेल ही नीरज कुमार और दिग्विजय सिंह ने मोबाइल के प्रयोग में सावधानी बरतते हुए कैसे अपने मोबाइल, को सुरक्षित रखें इस पर भी अवगत कराया। सचेत किया कि ऐसी किसी कॉल आने पर किसी भी अनजाने व्यक्ति को किसी भी दिशा पर कोई पैसा हस्तगत या ट्रांसफर ना करें, न ही ऐसे कॉल से डरें। एलडीएम गोपाल शेखर झा ने साइबर क्रिमिनल्स के द्वारा, भय दिखाकर, ब्लैकमेल करके अथवा लालच देकर किए जा रहे फ्रॉड की जानकारी दी। लोगों से आगाह किया कि ऐसे किसी बहकावे में ना आयें और बिना पुष्ट किए, कभी भी किसी को रकम प्रेषित ना करें। वक्ताओं ने बताया कि अज्ञात कॉल, लिंक या ओटीपी किसी से साझा न करें। लुभावने ऑफर, फर्जी संदेश और संदिग्ध वेबसाइट से दूर रहें। किसी भी प्रकार की ठगी की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या बलइमतबतपउम.हवअ.पद पर शिकायत दर्ज करें।

कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने, अधिकारियों से सवाल पूछे और साइबर सुरक्षा से जुड़े उपयोगी सुझाव प्राप्त किए। अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन सहित, मुख्य प्रबंधक बैंक ऑफ़ बड़ौदा मुख्य शाखा नारायण जी, नीरज कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक बैंक ऑफ़ बड़ौदा संजीव कुमार, मोहित कुमार, क्षेत्रीय कार्यालय से अधिकारी एकता लोहिया और दीपाली श्रीवास्तव, बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान गोंडे, निदेशक रवि रंजन, पुलिस विभाग, आई 4 सी एवं बैंक आफ बड़ौदा के अधिकारियों ने सहभागिता की। संचालन वित्तीय सलाहकार आरसेटी शिशिर खरे, आभार संस्थान के निदेशक रवि रंजन द्वारा किया गया।

प्रतापगढ़ में लोकपाल समाज शेखर ने किया पंच सिद्ध धाम और संकट हरणी धाम का निरीक्षण

प्रतापगढ़। लोकपाल समाज शेखर ने सदर ब्लाक के ग्राम पंचायत पूरे राय जू स्थित संकट हरणी धाम और बनवीर काक्ष स्थित पंच सिद्ध धाम का दर्शन–पूजन और व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों धामों के विकास और संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

'संकट हरणी धाम में मनरेगा पार्क का निरीक्षण'

लोकपाल समाज शेखर ने संकट हरणी धाम में बने मनरेगा पार्क का निरीक्षण किया और इसे जनोपयोगी बनाने के लिए ग्राम पंचायत को निर्देशित किया। उन्होंने पार्क के बाहरी किनारे पर नाली बनाने और भीतरी किनारों पर सजावटी पौधों के रोपण का सुझाव दिया। इसके अलावा, उन्होंने पार्क की साफ–सफाई और रखरखाव की भी सराहना की।

'पंच सिद्ध धाम में विकास कार्यों का निर्देश'

लोकपाल समाज शेखर ने बनवीर काक्ष ग्राम स्थित पंच सिद्ध धाम का निरीक्षण किया और ग्राम पंचायत को मुख्य रास्ते की पटरी को सुव्यवस्थित करने और आसपास की सार्वजनिक भूमि को विकसित कर संरक्षित करने का निर्देश दिया। उन्होंने राजस्व अभिलेखों के अनुसार सार्वजनिक स्थलों को मनरेगा से विकसित व संरक्षित करने का सुझाव दिया।

'अतिथियों का आगमन और पौधारोपण'

इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय से जुड़ी प्रसिद्ध लेखिका व साहित्यकार डॉ. बिमला व्यास और लोक भारती संस्था के संयोजक दिनेश कुमार शर्मा भी मौजूद थे। उन्होंने प्रतापगढ़ जनपद के प्राचीन अस्तित्व से जुड़े इन प्रमुख स्थलों का व्यापक भ्रमण व निरीक्षण कर संबंधितों को आवश्यक मार्गदर्शन किया। इस दौरान हरि शंकरी सहित विविध पौधों का रोपण भी किया गया।

'ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं'

लोकपाल समाज शेखर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि धाम के आसपास की सार्वजनिक भूमि पर लोगों का अनाधिकार कब्जा वर्षो से है, जिसे लेकर वे परेशान हैं। लोकपाल ने ग्राम पंचायत को इस समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि नर सिंह और स्थानीय व्यवस्था समिति के विद्या सागर सिंह भी मौजूद थे। लोकपाल समाज शेखर ने उन्हें धाम के विकास और संरक्षण के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

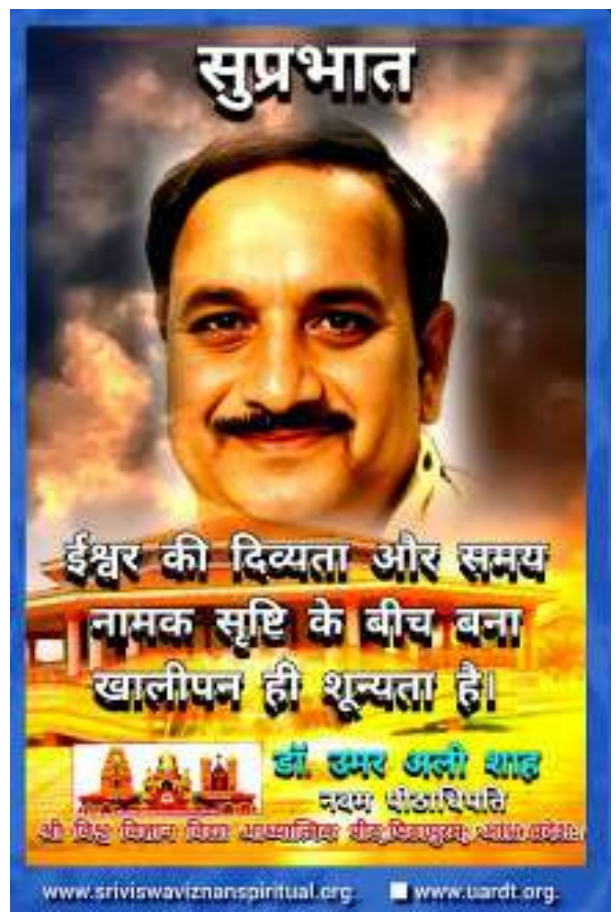

गेंदा पावन फूल

(कुण्डलिया)

खुशहाली जग में रहे, जिसका एक उसूल।
कहते हैं गेंदा उसे, है अति सुन्दर फूल।
है अति सुन्दर फूल, रंग पीला नारंगी।
देती आशीर्वाद, जिसे देवी मातंगी।
सुन लो कहें प्रदीप, लदी फूलों से डाली।
महका कर घरबार, ला रही है खुशहाली।।

गेंदा पावन फूल है, हरि से रखे लगाव।
मंदिर से श्मशान तक, रखकर वह सम भाव।
रखकर वह सम भाव, कबीरी बाते करता।
कभी गले का हार, कभी चरणों में रहता।
सुन लो कहें प्रदीप, न खींची जिसने रेखा।
फूलों का परिवार,बना है प्यारा गेंदा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

महोत्सव मंच पर प्रेम,समरसता और राष्ट्रीय एकता की बही बयार

महोत्सव मंच पर पहुंचे कवियों ने कविताओं से बांधी समां रू करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में चल रहे 27 वें जमुना पार महोत्सव के छठे दिन मंच पर पहुंचे कवियों ने राष्ट्रीय एकता,प्रेम,समरसता की कविताएं प्रस्तुत कर खूब समा बांधी। ओज श्रृंगार और हास्य व्यंग्य की रचना सुन श्रोता लोटपोट होते रहे। पूर्व प्रधानाचार्य गेंदा सिंह के मुख्य आतिथ्य में अध्यक्षता राज्यपाल पुरस्कृत किसान शोभनाथ शुक्ला ने किया। नीलम तिवारी ने सरस्वती वंदना के उपरांत अपने श्रृंगार के मुक्तक और गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुन्ना मासूम की गजलें और जगदंबा शुक्ला की संदेश परक रचनाओं ने भी खूब समां बांधी।कवि जितेंद्र जलज ने–चिड़िया की छाती पर चढ़कर,बैठ गया है बाज,बताओ किसको दें आवाज? जैसे

गीतों में समाज का दर्द उकेरा तो वहीं शायर शबरेज अहमद ने राष्ट्रीय एकता से ओतप्रोत गीतों पर खूब तालियां बटोरी। ओज कवि डॉ.वीरेंद्र सिंह कुसुमाकर ने अपनी पंक्तियों से अमर शहीदों को नमन किया।वरिष्ठ गीतकार आनंद श्रीवास्तव ने पढ़ा–हम तोहरे अंगना के फुलवा हे मैया, हमका बिसारि दिहू जानि के चिरैया। सामाजिक सरोकारों के कवि डॉ.संतोष शुक्ला समर्थ ने कहा–पीपल की,बरगद की छांव छू कर चला था।मैं घर से अपनी मां के पांव,छू कर चला था। धनंजय शाश्वत की हास्य रचना पर खूब तालियां बजी। संचालन कर रहे हास्य कवि राजकुमार अंजाना ने भी अपनी छड़िकाओं से श्रोताओं को जी भर गुदगुदाया। सभी कवियों को सम्मान पत्र और शाल प्रदान कर स्वामी विनोदानन्द जी महाराज द्वारा मंच पर सम्मानित किया गया। महोत्सव के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने कहा कि कवि हमारे समाज की अनमोल थाती हैं, इनकी वाणी और रचनाओं ने सदैव समाज को जागृत किया है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 58-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक 31.10.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक- 21.11.2025 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम.सं. 1	निविदा सूचना संख्याः ELG-122-2526	काम की लागत (रु में): ₹ 96,55,651.15

कार्य का नामः माघ मेला 2025-26 के दौरान यात्री सुविधा आवश्यकताओं के साथ संगम क्षेत्र, एनवाईएन, पीसीओआई, पीआरवाईजे, एसएफजी और बीडीएल में आंतरिक अस्थायी प्रकाश व्यवस्था का प्रावधान।

बिड सिक्योरिटी (रुमें) : ₹ 1,93,100.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 04 माह

क्रम.सं. 2	निविदा सूचना संख्याः ELG-123-2526	काम की लागत (रुमें): ₹ 89,36,653.10

कार्य का नामः "एडीईएन/एल/सीएनबी के अंतर्गत पीएनकेडी स्टेशन पर 3 यूनिट टाइप- IV क्वार्टर और बीपीयू, एमटीओ, आरआरएच सेक्शन में 1-1 यूनिट के प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य। "एडीईएन / मुख्यालय-II/ सीएनबी के अंतर्गत लोको उत्तर रेलवे कॉलोनी में ध्वस्त क्वार्टरों के बदले 6 यूनिट टाइप- IV क्वार्टर का प्रावधान " से संबंधित विद्युत कार्य। और "डीईआर स्टेशन और एनटीपीसी / डीईआर के बीच एलसी गेटों की मैनिंग " से संबंधित विद्युत कार्य।

बिड सिक्योरिटी (रुमें) : ₹ 1,78,700.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह

निविदा खुलने की तिथि : 21.11.2025, समय - 15.00 बजे।

नोटः- 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15.00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2056/25(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े–लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू–कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे–जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट–खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग–सतर्क किए जाने की आवश्यकता है। शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है। देश में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को भी बाध्य किया जाना चाहिए कि वे उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करके संदिग्ध फोन नंबरों के प्रति सचेत करें।

इलेक्टोरल बॉन्ड्सः भाजपा बेनकाब

सुशासन, स्वच्छता और शुचिता के दावे करने वाली भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के पास शाब्दिक सभ्यता का घोर अभाव दिख रहा है। प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे नरेन्द्र मोदी चुनाव आते ही सारे चोले उतारकर केवल भाजपा के स्टार प्रचारक बन जाते हैं और फिर चुनाव जीतने के लिए भाषा का स्तर चाहे जितना गिराना हो, उस स्तर पर उतरने में जरा भी नहीं झिझकते। उन्हें इस बात की परवाह नहीं होती कि भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर उनकी बातें, उनके विचार, उनकी भाषा दुनिया के दूसरे कोनों में पहुंचती होगी, तो उनकी कैसी छवि बनती होगी। श्री मोदी को केवल सत्ता में आने और उसे बचाए रखने की परवाह है, उसी के लिए वे अपने विरोधियों पर कीचड़ उछालते रहते हैं। जैसे बिहार की अपनी एक सभा में उन्होंने कहा कि बहनों–बेटियों को उठाने का खेल चल रहा है। इससे पहले झारखंड चुनाव में उन्होंने कहा था कि ये आपकी बेटी भी छीन रहे हैं और आपकी माटी भी हड़प रहे हैं। बेशक मोदीजी लड़कियों की सुरक्षा के लिए फिक्रमंद होंगे, लेकिन ये सरोकार उनकी भाषा में कतई नहीं झलक रहा। लड़कियों को उठा लेना, जैसे निम्नस्तरीय फिकरे किस किस्म के लोग कसते हैं, यह बताने की जरूरत नहीं है। केंद्र की 11 साल की सत्ता में रहकर, तमाम केन्द्रीय एजेंसियों का काम करीब से देखकर नरेन्द्र मोदी के पास कांग्रेस पर हमला करने के लिए मुद्दों की कमी नहीं होगी। पिछली सरकारों की गलतियों की सतर्क व्याख्या करके नरेन्द्र मोदी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को घेर सकते हैं, लेकिन वे इस सघन परिश्रम से बचने के लिए सीधे उन जुमलों पर उतर आते हैं, जिन पर जनता का ध्यान एकदम से चला जाता है। जैसे लोकसभा चुनावों में श्री मोदी ने मंगलसूत्र चुराने की बात कही थी। सावन में मछली–मटन खाने को मुद्दा बनाया था। झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर सीधे चारित्रिक लांछन पर उतर आए कि बेटियों को छीन रहे हैं। अब बिहार में आरजेडी और कांग्रेस को घेरने के लिए नरेन्द्र मोदी इसी पैंतरे को आजमा रहे हैं। आरजेडी के लिए श्री मोदी ने कहा कि कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुशासन, करप्शन बिहार में राजद के जंगलराज की पहचान है। हालांकि 2005 के बाद से आरजेडी सत्ता में नहीं आई है, महज 17 महीनों के लिए सत्ता में रही तो वह भी जेडीयू के साथ मिलकर। इसलिए बिहार के समाज में क्रूरता, कटुता, कुशासन मोदीजी को नजर आ रहा है, तो इसके लिए उनकी अपनी पार्टी भाजपा और जेडीयू जिम्मेदार माने जाएंगे, जो लगातार सत्ता पर बने हुए हैं। अगर एनडीए सरकार के होने के बावजूद कट्टे का डर श्री मोदी दिखा रहे हैं या करप्शन की बात कर रहे हैं, तो असल में वो खुद पर ही उंगली उठा रहे हैं। बहरहाल, चुनावों में इस तरह की जुमलेबाजी सुनने की जनता अभ्यस्त हो चुकी है। इसलिए प्रधानमंत्री की भाषा का गिरता स्तर अब चर्चा का विषय नहीं बनता है। जबकि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह अच्छी बात नहीं है। वैसे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी अब पूरी आक्रामकता के साथ नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार पर हमले बोल रहे हैं। और इसमें उनकी भाषा भी कई जगह खराब नजर आई। राहुल गांधी की भाषा में अशिष्टता दिखी, गनीमत है कि अभ्रदता इससे दूर रही। मुजफ्फरपुर में बुधवार को राहुल गांधी ने कहा कि वोट पाने के लिए मोदीजी कुछ भी करने को तैयार रहेंगे, जनता उन्हें नाचने कहेगी, तो वे नाच भी लेंगे। राहुल गांधी ने यह तंज छठ पूजा को लेकर किया, जिसमें नरेन्द्र मोदी के अर्घ्य देने के लिए यमुना नदी से अलग एक घाट में पाइप से पानी लाकर इंतजाम किया गया था। हालांकि आखिरी वक्त में नरेन्द्र मोदी ने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया। शायद उन्हें अंदाज हो गया था कि जनता के लिए गंदा पानी और खुद के लिए साफ पानी की खबर लोगों के बीच और फैलेगी तो इससे नुकसान होगा। वैसे भी नरेन्द्र मोदी ने कभी छठ पूजा नहीं की, क्योंकि वे गुजरात से हैं। छठ का व्रत पूर्वांचल के लोग करते हैं। बिहार चुनाव के मद्देनजर मोदीजी छठ पूजा करने जा रहे थे, इसी पर राहुल गांधी ने उन्हें घेरा। याद करें कि इससे पहले पितृपक्ष में गयाजी में अपनी मां का पिंडदान करने की तैयारी भी नरेन्द्र मोदी की थी, लेकिन तब भी खबरें सामने आईं कि उनकी मां का पिंडदान उनके भाई वाराणसी में पहले ही कर चुके हैं, केवल चुनावी फायदे के लिए मोदीजी अपनी मृत मां के नाम को भुना रहे थे। इससे पहले अपनी मां को कहे अपशब्द को भी नरेन्द्र मोदी ने फौरन छठी मईया से जोड़ लिया था। जनता इन सारे पैंतरों को देख रही है। और इसमें इस बार नहीं फंस रही है, यह बात नरेन्द्र मोदी ने समझी तो इनसे दूरी बनाने लगे। हालांकि राहुल गांधी के आरोपों के बाद अब फिर से श्री मोदी इस बात को छठी मईया तक ले जा रहे हैं। राहुल गांधी ने साफ कहा कि मोदी छठ पूजा का नाटक कर रहे थे, जबकि श्री मोदी समेत तमाम भाजपा नेता इसे छठी मईया का अपमान बताने लगे हैं। राहुल गांधी ने मुद्दा गलत नहीं उठाया, बल्कि उनका लहजा गलत था। लेकिन भाजपा ने लहजे पर जवाब देने की जगह फिर से नेहरू–गांधी परिवार पर निजी हमले शुरु कर दिए। नरेन्द्र मोदी राहुल गांधी को देश के सबसे भ्रष्ट परिवार का युवराज बता रहे हैं। गिरिराज सिंह उन्हें नाचने वाले खानदान का बता रहे हैं और पूछ रहे हैं कि उनका धर्म क्या है। रेखा गुप्ता इसे मानसिक दिवालियापन कह रही हैं। इन हमलों को देखकर लगा मानो समूची भाजपा इंतजार में थी कि कब राहुल गांधी बिहार आएं और भाजपा को आक्रामक होने के लिए मुद्दे मिलें। वर्ना बिहार में भाजपा एनडीए सरकार के काम के नाम पर वोट नहीं मांग पा रही हैं। अभी जितने भी वादे वो कर रही है, उस पर जनता सवाल कर रही है कि जो काम 10–20 साल में नहीं किया, वो अगले पांच साल में करने की क्या गारंटी है। इन सवालों से बचने के लिए शाब्दिक गिरावट की ढाल ही भाजपा के पास बची है।

अकबरी सपनों के शहर में बाकी निशां

शकील अख्तर

लाल पत्थरों में बसा फतेहपुर सीकरी अकबर के सपनों का शहर है, जहां इतिहास आज भी सांस लेता है। बुलंद दरवाजा, जोधाबाई महल, अनूप तालाब और शेख सलीम चिश्ती की दरगाह इसकी पहचान हैं। यह जगह मुगल स्थापत्य, संगीत और सूफी परंपरा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है। आगरा जाने वाले हर पर्यटक को ताजमहल के दीदार के साथ–साथ फतेहपुर सीकरी जरूर घूमने की सलाह दी जाती है। फतेहपुर सीकरी के किले की भव्यता आज भी देखने लायक है। इसे मुगल बादशाह अकबर के सपनों का शहर कहा जा सकता है। इसके नाम का अर्थ है 'विजय का शहर'। किले की इमारतों पर हिंदू–मुस्लिम कारीगरी का अनूठा तालमेल झलकता है। आज फतेहपुर सीकरी भले ही सुनसान है, लेकिन कभी यह हिंदुस्तान की गौरवमयी राजधानी रहा है। इसकी स्थापना करीब 450 साल पहले मुगल बादशाह अकबर ने 1569 से 1585 के बीच करवाई थी। फतेहपुर सीकरी को किलाबंद शहर कहा जा सकता है। हालांकि इसे अधिक समय तक मुगल हुकूमत की राजधानी बनने का गौरव नहीं मिला, लेकिन आज भी यह अनूठे स्थापत्य कला का नमूना पेश करती है। बुलंद दरवाजा, बादशाही दरवाजा, पंच महल, जोधाबाई महल और बीरबल भवन सीकरी की प्रमुख

निशानियां हैं। दीवान–ए–खास, दीवान–ए–आम, अनूप तालाब और दौलतखाना भी देखने योग्य हैं। सारा किला लाल पत्थरों से बना है। यहीं बीरबल की हंसी–ठिठोली गूंजती थी और तानसेन के रसमय संगीत से वातावरण सराबोर हो उठता था। सबसे खास है अनूप तालाब। यह एक छोटा–सा ताल है, जो छोटे–छोटे पुलों से जुड़ा है। यहीं तानसेन अपने संगीत से दरबार को मंत्रमुग्ध कर देते थे। ताल के बीचोंबीच स्थित मंच पर तानसेन दिन में चार अलग–अलग राग गाते थे। पर्यटकों को घुमाने वाले गाइड भी रस लेकर कई कहे–अनकहे किस्से सुनाते हैं। मिसाल के तौर पर कहा जाता है कि तानसेन ने अपने रागों से अकबर की बेटी मेहरून्निसा का मन मोह लिया था और उससे विवाह किया था। एक बार राग मेघ मल्हार गा कर तानसेन ने बारिश करा दी थी, और कहा जाता है कि उनका निधन राग दीपक गाते हुए आग से जलने से हुआ था। हालांकि इन कथाओं के ऐतिहासिक प्रमाण नहीं मिलते। इसी किले में एक छोटी–सी इमारत और है, जिसका नाम है 'आंख मिचौली'। कहते हैं कि यह अकबर की सबसे पसंदीदा जगह थी। यहीं वे अपनी बेगमों के साथ खेल खेला करते थे। किले में प्रवेश 175 फुट ऊंचे बुलंद दरवाजे से होता है। कहा जाता है कि बुलंद दरवाजा एशिया का सबसे ऊंचा फाटक है। दरवाजे तक पहुंचने के लिए 52 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। दरवाजे पर पुराने जमाने के किवाड़ आज भी शोभा बढ़ाते हैं। ऊंची चारदीवारी के बीचोंबीच सूफी संत शेख सलीम चिश्ती की दरगाह है। इतिहास बताता है कि शेख सलीम चिश्ती ने बादशाह अकबर और उनकी हिंदू बेगम जोधाबाई को पुत्र रत्न का आशीर्वाद दिया था। पीर बाबा के नाम पर ही अकबर ने अपने बेटे का नाम सलीम रखा। यही नहीं, उन्होंने शेख सलीम चिश्ती के सम्मान में यहां पूरा नया शहर बसाया। आज भी अनेक भक्त शेख सलीम चिश्ती साहब की दरगाह पर पुत्र प्राप्ति की मन्नत मांगते हैं। विशाल बरामदे में सफेद संगमरमर से बनी दरगाह में भक्त गुलाब के फूल और चादर चढ़ाते हैं तथा संगमरमर की जालियों पर पवित्र धागा बांधते हैं। उन्हें विश्वास है कि उनकी मनोकामना अवश्य पूरी होगी। दरगाह की जालियां संगमरमर को बारीकी से नक्काशी कर बनाई गई हैं और हर जाली का डिजाइन दूसरी से अलग है। शेख सलीम चिश्ती की दरगाह सफेद चमकते पत्थरों से निर्मित है। यहां आज भी कव्वालियों की महफिलें होती रहती हैं। हर साल रमजान के पावन महीने में दरगाह पर उर्स मुबारक मनाया जाता है। पास ही एक विशाल जामा मस्जिद है, जिसे मक्का की मस्जिद की तर्ज पर बनाया गया बताया जाता है। इसका डिजाइन हिंदू और पारसी वास्तुकला से प्रेरित है। यह मस्जिद इतनी बड़ी है कि इसमें एक लाख लोग एक साथ नमाज अदा कर सकते हैं। कभी यह सीकरी नाम का छोटा–सा गांव था, जिसे मुगल बादशाह अकबर ने नहीं, बल्कि बाबर ने खोजा था। यहीं बाबर ने राणा सांगा को पराजित किया था। अपनी विजय की खुशी में उसने गांव का नाम 'शूकरी' रखा, जिसका अर्थ है 'शुक्रिया'।

देवउठनी प्रबोधिनी एकादशी

प्रबोधिनी एकादशी को ,उठते विष्णु भगवान,
चार मास चतुर्मास में ,सोए थे विष्णु भगवान।
शालिग्राम तुलसी विवाह, होता कार्तिक मास,
देवउठनी एकादशी, तभी तो होती बहुत खास।

जागे योग निद्रा प्रभु,शुभ कार्य हुए शुरुआत,
दिवस है यह सौभाग्य का,खुशियों की है बात।
देवों की एकादशी, रखते तब उपवास..,
जो भी श्रद्धा से करे, पूर्ण होती आस...।

शुभ आयोजन शुरू हुए, तिथि है ये फलदाई,
शालिग्राम तुलसी विवाह, होता है शुभदाई।
अगले छह माह तक,प्रारंभ हुए शुभ काम,
चौमासे की रुत गई, मिले तुलसी शालिग्राम।

देवउठनी एकादशी, आती कार्तिक मास,
पूजन तुलसी का करो, पूरे कार्तिक मास।
आषाढ मास से सोते हैं कार्तिक तक विष्णु भगवान,
एकादशी को उठने प्रभु, गाते सब मंगल

रंजना बिनानी काव्या
गोलाघाट असम

सुनियोजित है हरियाणा का विकास मॉडल

राज कुमार सिंह

तेजी से बदलते घटनाक्रम में म्यांमार के सत्तारूढ़ सैन्य शासक वबेशक हर राज्य विकास के दावे करता है जो पूरी तरह निराधार भी नहीं होते, पर सतत और टिकाऊ विकास तभी सुनिश्चित हो सकता है, जब योजनाएं संतुलित और सुनियोजित हों। इस दृष्टि से, आकार में छोटा होने के बावजूद, हरियाणा का विकास मॉडल हर कसौटी पर खरा उतरता है। पंजाब से अलग होकर 1 नवंबर, 1966 को अस्तित्व में आए हरियाणा को स्वाभाविक ही उन तमाम चुनौतियों से रू–ब–रू होना पड़ा, जिनसे कोई भी नया राज्य होता है लेकिन चुनौतियों के साथ–साथ अपनी विशेषताओं को पहचानते हुए संतुलित विकास माडल से उसकी राह आसान होती गई। बेशक पंजाब से पृथक राज्य बने हरियाणा की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार भी कृषि ही रहा है लेकिन उसकी अपनी सीमाएं भी जगजाहिर हैं। परिवार के साथ–साथ जनसंख्या वृद्धि स्वाभाविक प्रक्रिया है। इसके साथ ही रोजगार के अवसरों की मांग भी बढ़ती है और समग्र विकास की भी जबकि कृषि योग्य भूमि लगातार कम होती जाती है। इन भावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ही हरियाणा ने कृषि के साथ–साथ औद्योगिक विकास को भी अपने विकास माडल का आधार बनाया। इसमें उसे अपनी कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति के साथ ही किसानों की प्रगतिशील सोच और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से निकटता का लाभ भी मिला। यह सच है कि देश की राजधानी दिल्ली की सीमाओं के तीन ओर बसा होने जैसी भौगोलिक विशिष्टता किसी अन्य राज्य को प्राप्त नहीं है लेकिन उसका सही और पूरा लाभ उठाने के लिए जो विकास दृष्टि चाहिए, वह हरियाणा की सरकारों ने दिखाई है। जाहिर है, श्रेय की लड़ाई अक्सर राजनीति में फंस कर रह जाती है लेकिन वास्तव में विकास एक सतत प्रक्रिया है। हां, उसकी दिशा और रफ्तार अवश्य तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व पर निर्भर करती है। चौधरी बंसीलाल को आधुनिक हरियाणा का निर्माता कहा जाता है। इस सच से शायद ही कोई इन्कार कर पाए कि दिल्ली से राज्य की नजदीकी और तत्कालीन केंद्रीय सत्ता में अपनी पहुंच को ध्यान में रखते हुए बंसीलाल ने ही आधुनिक हरियाणा का रोडमैप बनाया। बाद की सरकारों ने अपनी–अपनी समझ और प्राथमिकताओं के अनुसार उस पर अमल किया। चौधरी देवीलाल को शासन करने का ज्यादा समय नहीं मिला। उनके बेटे ओम प्रकाश चौटाला भी एक बार ही अपना मुख्यमंत्रित्वकाल पूरा कर पाए लेकिन भजनलाल और भूपेंद्र सिंह हुड्डा को शासन और विकास पर अपनी छाप छोडने का पूरा मौका मिला। इन दोनों के ही मुख्यमंत्रित्वकाल में हुए विकास को नकार तो कोई नहीं सकता, हां अपने जनाधार वाले क्षेत्र पर विशेष फोकस के चलते क्षेत्रवाद के आरोप अक्सर लगाए जाते रहे हैं। आदर्श स्थिति का तकाजा तो यही है कि प्रदेश या देश के मुखिया को जाति, धर्म या क्षेत्रीय संकीर्णता से मुक्त होकर संतुलित और समग्र विकास की दृष्टि रखनी चाहिए,पर सत्ता केंद्रित राजनीति में आदर्शों का लगातार क्षरण ही हम देख रहे हैं। इस दृष्टि से 2014 में हुए सत्ता परिवर्तन को हरियाणा में व्यवस्था परिवर्तन भी माना जा सकता है। पहली बार बहुमत के साथ भाजपा खुद हरियाणा की सत्ता में आई और मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया गया। एक तो काडर आधारित भाजपा में नेता व्यक्तिगत जनाधार की सोच और दबाव से मुक्त रहते हैं, दूसरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए नारे, 'एक भारत– श्रेष्ठ भारत' का असर। मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी 'हरियाणा एक– हरियाणवी एक' की सोच के साथ आगे बढ़े। हरियाणा में 'लालों' की राजनीति की अक्सर चर्चा होती है, पर राजनीति की चाल असल में चौथे लाल यानी मनोहर लाल ने ही बदली। किसी भी नई सरकार के समक्ष चुनौतियां स्वाभाविक ही हैं लेकिन किसी संकीर्णता या राजनीतिक प्रतिशोधवश काम करने का आरोप भाजपा सरकार पर नहीं लगा। विकास योजनाओं से लेकर सरकारी नौकरियों तक में अक्सर जातिवाद और क्षेत्रवाद के आरोप झेलते रहने वाले हरियाणा की राजनीति और शासकीय प्राथमिकताओं में यह एक नया प्रयोग अंततरू सफल भी साबित हुआ। कह सकते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों की क्षमताओं और संभावनाओं को पहचानते हुए सरकार संतुलित और समग्र विकास की राह पर आगे बढ़ी। मनोहर लाल लगभग 9 साल मुख्यमंत्री रहे और उसके बाद से यह दायित्व नायब सिंह सैनी संभाल रहे हैं। सुनियोजित विकास मॉडल का ही परिणाम है कि आज हरियाणा कृषि के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में भी लगातार आगे बढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र की राष्ट्रव्यापी चुनौतियां किसी से छिपी नहीं हैं लेकिन सर्वाधिक 14 फसलों की खरीद एम.एस.पी. पर सुनिश्चित करते हुए कई योजनाओं के जरिए किसानों को सशक्त बनाने की कोशिश की गई है। अब गुरुग्राम, मानेसर और फरीदाबाद से इतर भी शहरों में औद्योगीकरण की संभावनाओं के द्वार खोले गए हैं। इसके वांछित परिणाम भी सामने आ रहे हैं। कृषि क्षेत्र में रोजगार के सीमित होते अवसरों की चुनौतियों का समाधान औद्योगीकरण की तेज रफ्तार के साथ–साथ सेवा क्षेत्र के विस्तार में भी खोजा जा रहा है। रोजगार के नए अवसरों के अनुरूप युवाओं को तैयार करने के लिए कौशल विकास पर भी जोर है। जाहिर है, सुशासन की दिशा में की गई इन पहल के परिणाम भी सामने आए हैं। अब हर छोटे–मोटे सरकारी काम के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती तो सरकारी नौकरियां भी मैरिट पर ही मिलने का जन विश्वास मजबूत हो रहा है। बेशक व्यवस्थागत बदलाव का यह सफर जारी रहना जरूरी है। अपने इस विकास माडल के जरिए ही हरियाणा अब अपने बड़े भाई पंजाब से भी आगे निकल गया है। भविष्य के लिए भी दीर्घकालीन योजनाओं पर काम चल रहा है। 180 किलोमीटर लंबे के.एम.पी. कॉरिडोर के साथ पंच ग्राम योजना के तहत 5 अत्याधुनिक नए शहर बसाए जाएंगे। 2050 तक 75 लाख आबादी के लिए ये शहर बसाने की योजना है। विजन–2047 के तहत एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और 50 नए रोजगार अवसर सृजित करने का भी लक्ष्य हरियाणा ने रखा है।

अरशद वारसी बोले- इंडस्ट्री में हर कोई शाहरुख का कर्जदार

अरशद वारसी इस वक्त श्भागवत चौप्टर वन–राक्षसश में अपनी इंटेंस भूमिका को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने श्द बैड्स ऑफ बॉलीवुडश में अपने श्गफूरश वाले किरदार को लेकर कहा– हमारी इंडस्ट्री और कलाकारों को जितनी इज्जत शाहरुख ने दी है, किसी ने नहीं दी। हमारी इंडस्ट्री को दुनिया शाहरुख की वजह से ही जानती है। अरशद वारसी के करियर पर नजर डाली जाए तो कई घुमावदार मोड़ आए। कॉस्मेटिक बेचने वाले सेल्स मैन, असिस्टेंट डायरेक्टर, कोरियोग्राफर, हीरो, कॉमिक अदाकार जैसे रूपों से गुजरने वाले अरशद को इंडस्ट्री में 25 साल से भी ज्यादा का वक्त हो गया है। बेबाक अरशद ने कई इंटेंस किरदार किए, मगर दर्शकों को उनका श्सर्किटश वाला रूप ज्यादा भाया। श्जॉली एलएलबी 3श की कॉमेडी के बाद अरशद एक बार फिर श्भागवत चौप्टर वन–राक्षसश की इंटेंस भूमिका से। इससे पहले भी अरशद श्इश्कियाश और श्सहरश जैसी फिल्मों में संजीदा भूमिकाएं कर चुके हैं। इस खास मुलाकात में वे फिल्म, अपनी बेटी की सेफ्टी, अपनी स्मोकिंग की लत, आर्यन खान के बुरे दौर और ौम्ठप् के विवादों पर बेबाकी से करते हैं। दिवाली के आपके क्या प्लान्स हैं? मैं तो दिवाली अपने घर पर मनाना पसंद करता हूं। इस साल भी घर पर दीये जलाएंगे और दिवाली मनाएंगे। आतिशबाजी से तो मैं दूर ही रहता हूं, मगर हां, हर किसी की सुख और समृद्धि की कामना जरूर करता हूं। इसके साथ ही अपनी फिल्म भी प्रमोट कर रहा हूं। अरशद दिवाली–दशहरे के मौके पर आप अपने अंदर के किस राक्षस का नाश करना चाहेंगे? आपकी फिल्म भी तो इसी विषय का सूचक है? मेरी बीवी (मारिया गोरेट्टी) ने मेरे अंदर के सारे राक्षसों को मार डाला है। मेरे अंदर कुछ नहीं बचा (जोर से ठहाका लगाते हैं) मैं तो वैसा कुछ सोच ही नहीं सकता, मेरी कुटाई हो जाएगी। सबके अंदर थोड़ा अच्छा और थोड़ा बुरा होना चाहिए। जब तक थोड़ी बुराई न हो, तो अच्छाई का अहसास नहीं होता। जैसे अच्छे एक्टर्स की पहचान के लिए कुछ बुरे एक्टर्स का होना जरूरी है (हंस पड़ते हैं) मेरे अंदर एक बुराई थी स्मोकिंग की, जो मैंने बंद कर दी। मैं कई सालों से बहुत सिगरेट पीता था और वो बहुत ज्यादा हो गई थी। मैंने एक ऐप की मदद से वो स्मोकिंग बंद की। उसका एक बड़ा कारण ये है कि आप जो करते हैं, बच्चे भी उसी का अनुसरण करते हैं, तो बच्चों ने भी वो शुरू कर दिया था। बस मैंने बिलकुल छोड़ दी और उसके बाद तो मैं इतना अच्छा हो गया कि लोगों ने मुझे बोरिंग करार देने लगे। आज इंसानी रूप में हमारा काफी उत्थान हुआ है, मगर आपको अपने आस–पास लड़कियों से जुड़ी क्या बात कचोटती है? असमानता हमेशा खटकती ही है, मगर आज हम 2025 में हैं और महिलाएं आज भी सिक्योर नहीं हैं, वो बातें मुझे बहुत बुरी लगती हैं। मेरी बेटी 18 साल की है और हमारी फैमिली जब छुट्टी पर जाती है, तो सिंगापुर और दुबई जैसी इक्का–दुक्का जगहें हैं, जहां मैं अपने परिवार और बेटी को दिन या रात में आराम से कहीं बाहर जाने देता हूं। इन जगहों पर इन्हें घूमना –फिरना होता है, तो मुझे फिक्र नहीं होती। इसके अलावा मैं कहीं भी इन्हें भेजूं, तो मुझे फिक्र होती है। लंदन, यूएस, पूरी दुनिया ऐसी है। हालांकि अच्छा लगता है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए एक नंबर है, आप उसे डायल कर लो, तो पुलिस आपको एस्कॉर्ट करती है। मैंने वो नंबर अपने बच्चों को दिया हुआ है। एक सुरक्षित माहौल क्रिएट करने के लिए सरकार और पुलिस लगातार जद्दोजहद करते रहते हैं। देखिए, बुरे लोगों का कोई मजहब नहीं होता। वे हर जगह होते हैं। मजबूरी है कि हमें उन लोगों के साथ जीना पड़ता है। जितना आप खुद को सिक्योर कर सकें, भले दुखद है, मगर एक औरत कंफर्टेबल नहीं हो पाती कि वो कहीं भी जा सके, वो जैसे चाहे जी सके। उसके पास ऐसा फ्रीडम होना चाहिए, जो मर्दों के पास अरशद आप जिस तरह से कॉमिक भूमिकाओं में मजे करवाते हैं, उसी तरह इंटेंस किरदारों की गहराई में भी ले जाते हैं, कितना आसान या मुश्किल होता है आपके लिए? मैं हमेशा से कहता हूं कि एक एक्टर को एक्शन और कट के बीच उस किरदार में घुसना चाहिए, बाकी के समय वो जितना नॉर्मल रहे, उतना अच्छा है। हमने देखा है कि 90 प्रतिशत अदाकार सनकी हो जाते हैं। असल में आप जिस पर्सनैलिटी से पैदा हुए हैं, उसको कभी नहीं देखते। जब आप काम कर रहे हैं, तो कोई और बंदे हैं और काम के बाद लोगों के सामने कोई और। आप जो असल में होते हैं, सिर्फ उसी वक्त जब आप अकेले होते हैं या फिर आप जब अपने परिवार के साथ हों। असल में अभिनय की प्रक्रिया बहुत खतरनाक होती है। उसे कई मुखोटों के साथ जीना पड़ता है। कई बार आपने देखा होगा कि कई कलाकार अपनी फिल्म खत्म होने के बाद कारपेंटरी या फिर खेती–बाड़ी करने चले जाते हैं, तो ये बहुत जरूरी होता है कि उस किरदार से निकल जाना। अभिनय मूल रूप से मेंटल वर्क है।आपको अपने दिमाग को किसी और की सोच और पर्सनैलिटी में ढालना होता है, तो जरूरी है कि उस कैरेक्टर को छोड़ कर अपने आप में आ जाओ, क्योंकि जीना–मरना आपको खुद के साथ है। कई एक्टर्स अपने चरित्रों में इतने घुस जाते हैं कि बाहर ही नहीं आते। ये बहुत रिस्क है, एक जॉब के प्रेशर जैसा। सबसे मुश्किल दौर क्या था? मैं ये नहीं कह सकता कि जब काम नहीं था, तो वो सबसे मुश्किल दौर था। तब भी उतना खराब नहीं था। मैं ठीक था। पता नहीं ये कहना चाहिए या नहीं, मुझे कहने में बुरा लग रहा है, मगर ये फिल्म के वक्त मैं बहुत प्रेशर में था, बहुत ज्यादा, क्योंकि मुझ पर जबरदस्ती का ौम्ठप् का केस आ गया था और फिर मैं फंस गया। मेरे दिमाग में इतना ज्यादा प्रेशर था। बहुत टफ टाइम था। मेंटली मैं सही स्थिति में नहीं था। बहुत टेरीबल था। देखिए, आपकी खुद की मुसीबत को आप कंट्रोल कर सकते हैं, मगर बाहर से आई मुसीबत पर आपका नियंत्रण नहीं रहता। कहीं से भी कुछ भी आ सकता है और उसको आपको डील करना पड़ता है। ऐसे हालातों का सामना आपको करना ही पड़ता है। उस वक्त सभी को लगा था कि पता नहीं मैं क्या –क्या पीना शुरू कर दूंगा। मैं बता नहीं सकता कि मेरे दिमाग में क्या–क्या चल रहा था और उसके बीच में ये इंटेंस रोल। ये बहुत ही बुरा दौर था और मैं कभी नहीं चाहूंगा कि ये दोबारा आए। श्बैड्स ऑफ बॉलिवुडश के श्गफूरश के छोटे–से रोल में तो आपने कमाल कर दिया? अब मैं क्या ही बोलूं? आर्यन खान ने श्गफूरश सॉन्ग भी जो कंसीव किया, वो भी कम धमाल नहीं रहा। सीरीज में एक–दो दिन का तो काम था। शाहरुख और आर्यन को तो मैं कभी न नहीं बोल पाऊंगा। मैं समझता हूं कि इंडस्ट्री में हर कोई शाहरुख का कर्जदार है। हमारी इंडस्ट्री और कलाकारों को जितनी इज्जत शाहरुख ने दी है, किसी ने नहीं दी। हमारी इंडस्ट्री को दुनिया शाहरुख की वजह से ही जानती है और हमें रिस्पेक्ट भी उन्हीं के कारण मिलती है। अमित जी (अमिताभ बच्चन) ने जो विरासत शुरू की, शाहरुख ने उसे जोर–शोर से आगे बढ़ाया। आर्यन के साथ हम सभी की सिंपैथी है, जिससे भी उन्हें गुजरना पड़ा। जेल की सलाखों के पीछे 28 दिन रहना, सोच कर बहुत बुरा लगता है। आर्यन, शाहरुख और सुहाना कुछ भी करना चाहेंगे, पूरी इंडस्ट्री उनका साथ देगी। इंडस्ट्री ने किया भी है। किसी को भी एक फोन गया, तो कोई भी ना नहीं बोलेगा और ये सिर्फ शाहरुख के कारण नहीं बल्कि आर्यन भी बहुत अच्छा लड़का है। वो बहुत ही तमीदार है। बड़े–छोटे की समझ है उसको।

दाऊद इब्राहिम आतंकवादी नही था.. अंडरवर्ल्ड डॉन पर ममता कुलकर्णी का बयान, सोशल मीडिया पर मची हलचल

एक्ट्रेस से साध्वी बनी ममता कुलकर्णी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। ग्लैरस वर्ल्ड छोड़ अध्यात्मिक राह पर चली ममता अपने बड़े बयानों को लेकर चर्चा बटोरती हैं। हाल ही में फिर वो दाऊद इब्राहिम को लेकर दिए एक बयान को लेकर खबरों में हैं। हाल ही में जब उनसे गोरखपुर में दाऊद इब्राहिम को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, श्मेरा दाऊद से दूर–दूर तक कोई लेना देना नहीं था। किसी एक का नाम जरूर था, लेकिन आप देखोगे उसने कोई बम ब्लास्ट या एंटी नेशनल चीज नहीं की थी। देश के अंदर, मैं उनके साथ तो नहीं हूं... वह टेररिस्ट नहीं था, जिनके साथ आप मेरा नाम लेते हो, उन्होंने मुंबई में बम ब्लास्ट नहीं किया। दाऊद को मैं अपने जीवन में कभी नहीं मिली।श इस बयान के बाद ममता कुलकर्णी खूब सुर्खियों में हैं। दरअसल, ममता कुलकर्णी का नाम विक्की गोस्वामी के साथ जुड़ा रहा है, माना जा रहा है कि दाऊद के सवाल पर विक्की गोस्वामी का नाम लिए बिना कहा कि वो आतंकवादी नहीं थे। ऐसे में दाऊद इब्राहिम के समर्थन में ममता के चौकाने वाले बयान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। अपने ही बयान पर ममता कुलकर्णी ने सफाई देते हुए कहा कि बयान को ठीक तरीके से सुने और साधु–संत विवेक का इस्तेमाल करें। उनका नाम कभी दाऊद से नहीं जुड़ा... कुछ समय के लिए विक्की गोस्वामी से जुड़ा, लेकिन उसका नाम कभी देश विरोधी गतिविधियों में नहीं आया। बता दें, ममता कुलकर्णी महामंडलेश्वर यमाई किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी किन्नर के साथ गोरखपुर के पीपीगंज में आयोजित एक कार्यक्रम का हिस्सा बनी थीं। 90 के दशक में अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाली ममता अब संन्यास ले चुकी हैं और अब महामंडलेश्वर यमाई ममता नंदगिरी बन गई हैं।

अभिषेक बच्चन पर लगा फिल्मफेयर का अवॉर्ड खरीदने का आरोप, एक्टर ने समझदारी से जवाब देकर की बोलती बंद-खून-पसीना और आँसू..

मेगास्टार अमिताभ बच्चन के बेटे व फेमस बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन को पिछले दिनों बेस्ट एक्टर के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था, जिसे लेकर वो खूब चर्चा में रहे। वहीं, कई लोगों ने एक्टर पर यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी छवि बनाने के लिए यह अवॉर्ड खरीदा है। ऐसे आरोपों से आहत अभिषेक बच्चन ने हाल ही में अपनी चुप्पी तोड़ी है और ऐसा कहने वालों को करारा जवाब दिया है। दरअसल, एक पत्रकार ने अभिषेक बच्चन पर आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर लिखा था, वह भले ही एक मिलनसार इंसान हैं, लेकिन मुझे यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि प्रोफेशनल तौर पर अवॉर्ड्स खरीदना और पीआर को अग्रेसिव तौर पर बनाए रखना काफी काम आता है। भले ही आपके करियर में एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर न हो। इसके अलावा ये भी कहा गया था कि आई वॉट टू टॉक के लिए मिले अवॉर्ड को पीआर के अलावा किसी ने नहीं देखा। इन आरोपों पर जवाब देते हुए अभिषेक बच्चन ने लिखा, बस रिकॉर्ड साफ करने के लिए। मैंने कभी कोई पुरस्कार नहीं खरीदा या कोई प्रचार नहीं किया। बस कड़ी मेहनत, खून–पसीना और आँसू। लेकिन, मुझे शक है कि आप मेरी कही या लिखी किसी भी बात पर आप विश्वास करेंगे तो.. . आपको चुप कराने का सबसे अच्छा तरीका है कि मैं और भी ज्यादा मेहनत करूँ ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी उपलब्धि ा पर आपको फिर कभी शक न हो। मैं आपको गलत साबित कर दूँगा! पूरे सम्मान और सौम्यता के साथ। अभिषेक बच्चन का ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और उनके फैंस को उनका जवाब काफी पसंद आ रहा है।बता दें, अभिषेक बच्चन को उनकी फिल्म 'आई वांट टू टॉकश में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ एक्टर के फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पूजा गौर अपने टीवी शो के साथ–साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर चुकी हैं. दरअसल, एक्टर राज सिंह अरोड़ा के संग पूजा काफी लंबे वक्त तक रिलेशनशिप में थीं. लेकिन, बाद में ब्रेकअप हो गया. पूजा गौर ने श्मन की आवाजरू प्रतिज्ञाश्में प्रतिज्ञा की भूमिका निभाकर घर–घर में एक अलग ही पहचान बनाई थी।

आलम ये है कि आज भी उन्हें बहुत कम लोग ही होंगे जो रियल नेम से जानते होंगे. 15 साल बाद भी पूजा गौर बेहद ही हसीना दिखाई देती हैं. फैंस को उनका ट्रांसफॉर्मेशन काफी पसंद आ रहा है. पूजा गौर सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और एक से बढ़कर एक ग्लैमर और सिजलिंग तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.पूजा गौर के इंस्टाग्राम पर 1.2 मिलियन फॉलोवर्स हैं, जो उन्हें बेहद पसंद करते हैं और उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब दिखाई देते हैं. पूजा गौर अब टीवी के किसी शो में नजर नहीं आती हैं. बल्कि, अब वो ओटीटी पर ज्यादा एक्टिव हैं और एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट में दिखाई देती हैं. हालांकि,पूजा के फैंस टीवी पर उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं. लेकिन अभी उनके किसी प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं हुई है. पूजा गौर हर आउटफिट में काफी स्टनिंग लगती हैं. फिर वो वेस्टर्न हो या इंडियन. पूजा गौर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस को देती रहती हैं. पूजा गौर को 2018 में केदारनाथ फिल्म में देखा गया था. ये उनकी डेब्यू फिल्म थी. पूजा अपनी एक्टिंग के साथ–साथ अपनी खूबसूरती को लेकर हमेशा सुर्खियां बटोरती रहती हैं.

सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान ने फिल्म नादानियां से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। हालांकि ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही और इब्राहिम की एक्टिंग स्किल की भी जमकर आलोचना हुई। अब इब्राहिम ने खुद ये स्वीकार किया है कि नादानियां एक बेहद बुरी फिल्म थी, जिसके लिए उन्हें लगातार ट्रोल किया गया था। हाल ही में एस्क्वायर इंडिया को दिए इंटरव्यू में इब्राहिम अली ने नादानियां पर बात करते हुए कहा है, ष्ज्यादा पुरानी बात नहीं है। सब लोग मेरे लॉन्च का इंतजार कर रहे थे, और नादानियां के बाद तो हाइप बहुत गिर गई। उन्होंने मुझे लगातार ट्रोल किया है कि श्ये तो कर ही नहीं पाएगा। ये बहुत बड़ा लो पॉइंट है, और मुझे इसका बहुत बुरा लगता है। आगे इब्राहिम अली खान ने कहा, ष्मैं बस साफ–साफ कहना चाहता हूं कि वो वाकई बहुत खराब फिल्म थी। वो वाकई बहुत खराब थी।

घर में बनाएं लहसुन–अदरक का पेस्ट, महीनेभर करें स्टोर

आजकल के बिजी लाइफ शेड्यूल को सेट करने के लिए महिलाओं को अक्सर कुछ चीजें पहले से रेडी करके रखनी होती है। खासतौर पर रसोई में खाना पकाने के लिए वो कई बार रेडीमेड चीजों को यूज करती हैं। जिससे कि टाइम बचे और खाना टेस्टी बनें। लहसुन को छीलने में बहुत वक्त लगता है। इससे बचने के लिए अक्सर रेडीमेड जिंजर–गार्लिक का पेस्ट महिलाएं किचन में रखती हैं। जिसमे प्रिजर्वेटिव मिला होता है। अगर आप इन मार्केट वाले प्रिजर्व जिंजर–गार्लिक पेस्ट को यूज नहीं करना चाहती तो घर में ही अदरक और लहसुन के पेस्ट को बनाकर रख लें। ये महीनेभर तक खराब नहीं होगे। बस इन स्टेप को फॉलो करें।

जिंजर–गार्लिक पेस्ट के लिए सामग्री

100 ग्राम लहसुन

75 ग्राम अदरक

नमक एक चम्मच

2 चम्मच तेल

1 चम्मच व्हाइट विनेगर

जिंजर गार्लिक पेस्ट बनाने की विधि

–सबसे पहले करीब सौ ग्राम लहसुन को छील लें।

–छीलकर इन सारे लहसुन को धूप में रख दें। जिससे कि लहसुन का पानी सूख जाए और ये थोड़े ड्राई हो जाएं।

–अदरक को धोकर अच्छी तरह से छील लें।

–छीलने के बाद धोएं और कपड़े से पानी पोंछकर कुछ देर के लिए पानी में डाल दें।

–जब दोनों चीज में एक दिन तक धूप लग जाए तो मिक्सी के जार में पहले लहसुन और फिर अदरक का बारीक पेस्ट बना लें।

–ध्यान रहे कि पेस्ट बनाने के लिए पानी का इस्तेमाल ना करें।

–किसी कांच के बाउल या जार में इस पेस्ट को निकालें।

–इसमे नमक और तेल मिक्स करें।

–सबसे आखिर में दो चम्मच व्हाइट विनेगर डालें और ढक्कन बंद कर दें।

–इस पेस्ट को फ्रिज में रख दें।

–जब जरूरत हो तो सूखे चम्मच से पेस्ट निकालें और बाकी फ्रिज में डाल दें। ये पेस्ट फ्रिज में आराम से 15–20 दिन तक खराब नहीं होंगे। और खाने का स्वाद भी बढ़ाएंगे।

पिंपल और दाग–धब्बों को हल्का कर देगा ये फेस मास्क, बस रोज वाटर में मिलाएं ये चीज

साफ–सुथरी त्वचा हर किसी की चाहत होती है। लड़के हो या लड़कियां, हर कोई पिंपल और दाग–धब्बों से परेशान रहते हैं। जिसका कारण कभी केमिकल वाले प्रोडक्ट होते हैं तो कभी धूल–मिट्टी और प्रदूषण। वहीं कई बार गलत खानपान और हार्मोंस की वजह से भी चेहरे पर पिंपल दिखने लगते हैं। जो स्किन पर धब्बों को छोड़ जाते हैं। फेस पर दिख रहे ये काले धब्बे जरा भी अच्छे नहीं लगते। इन डार्क स्पॉट और पिंपल से छुटकारा पाना है तो बहुत सारी चीजें नहीं बस फ्रिज में रखी इस चीज को लगा लें।

बनाएं दही का फेस पैक

दही नेचुरल क्लींजर है लेकिन बहुत सारे लोग इस नेचुरल क्लींजर को इग्नोर करते हैं। अगर चेहरे पर क्लिस्टर क्लीयर ग्लो चाहिए तो सप्ताह में दो से तीन बार दही से फेस को क्लींन किया जा सकता है। साथ में बस इस चीज को मिला लें।

बनाएं रोज वाटर के साथ फेस पैक

दही और रोज वाटर को मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं और करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को धो दें। ये चेहरे के ब्लैक हेड्स हटाने के साथ ही पिंपल को कम करने और दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करेगी।

रोज वाटर से दूर होंगे पिंपल

रोजाना चेहरे को फेस वाश से धोने के बाद कॉटन बॉल्स में लेकर रोज वाटर को लगाने से पिंपल कम होने में मदद मिलती है। साथ ही नए पिंपल भी निकलना बंद हो जाते हैं।

शादी के बाद लड़कियों के गुस्सैल और चिड़चिड़ा होने के पीछे जिम्मेदार होते हैं ये 5 कारण

शादी के बाद महिला हो या पुरुष, दोनों के जीवन में कई तरह के बदलाव आते हैं। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं का जीवन शादी के बाद काफी ज्यादा बदल जाता है। कोई भी लड़की जिस दिन से शादी करके ससुराल की दहलीज में कदम रखती हैं, उसी पल से उसके व्यक्तित्व में कई तरह के बदलाव आने शुरू हो जाते हैं। शादी के बाद ससुराल में लड़की अपने नए परिवार के लिए खुद को बदलने की कोशिश करती है, घर के नए सदस्यों के अनुसार काम करती है, जो शादी से पहले नहीं किया वो सबकुछ करती है। लेकिन इन सब बातों से अलग क्या आप जानते हैं वो कौन से 5 कारण होते हैं जिसकी वजह से लड़कियां शादी के बाद गुस्सैल और चिड़चिड़ी बनने पर मजबूर हो जाती हैं। आइए जानते हैं।

घर और ससुराल के माहौल में फर्क–

शादी के बाद कई लड़कियों को यह महसूस होता है कि उनके मायके और ससुराल के रहन–सहन, सोने, जागने, खाने–पीने में काफी फर्क है। अपने घर में जहां लड़की बेबाकी से हर बात बोल लिया करती थी वहीं ससुराल में अब उसे वैसा माहौल नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से कई बार उसके नेचर में गुस्सा और चिड़चिड़ापन आने लगता है।

ससुराल में प्यार और सम्मान का ना मिलना–

अपना परिवार छोड़कर ससुराल आई लड़की को जब नए घर में मायके जैसा प्यार और सम्मान नहीं मिलता, तो वो खुद को बहुत बेबस महसूस करती है। ससुराल वालों के खराब व्यवहार और तानों की वजह से भी वो परेशान होकर गुस्से में रहना शुरू कर देती है।

जॉब छूटने का कारण–

अगर शादी के बाद लड़की को किसी वजह से अपनी जॉब छोड़नी पड़ती है और अपने जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए अपने पति या उसके परिवार पर निर्भर रहना पड़ता है, तो अपनी इस फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस के खत्म होने की वजह से भी उसमें गुस्सा, नाराजगी, चिड़चिड़ापन आ सकता है।

सपने पूरे न होने पर–

अगर लड़की शादी से पहले कोई अच्छा कोर्स या हायर एजुकेशन लेना चाहती थी लेकिन शादी होने की वजह से ऐसा नहीं कर पाई तब भी वो अंदर ही अंदर कुढ़ने लग जाती है, उसका किसी काम में मन नहीं लगता है और स्वभाव में चिड़चिड़ापन आने लग जाता है।

पति का साथ ना मिलना–

एक लड़की शादी के बाद कोई भी काम करने के लिए सबसे ज्यादा अपने पति पर निर्भर रहती है। लेकिन शादी के बाद उसे अपने पति का ही सपोर्ट नहीं मिलता तो भी उसका स्वभाव गुस्से वाला हो जाता है।

अपने बच्चों की कड़ी मेहनत और पढ़ाई में ना बनो रोड़ा, एक मां को लेकर कोर्ट ने क्यों कहा ऐसा?

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि अपने बच्चों की भलाई के लिए एक मां की चिंता को अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता तथा बच्चों को होने वाले "मनोवैज्ञानिक आघात" को लेकर मां की आशंका को उनकी (बच्चों की) शिक्षा के राह में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। उच्च न्यायालय की यह टिप्पणी एक महिला द्वारा अपने बच्चों को ब्रिटेन के स्कूल में भेजने के लिए उसके और उससे अलग रह रहे पति द्वारा लिये गए 'संयुक्त निर्णय' में हस्तक्षेप करने से इनकार करने के निचली अदालत के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते समय आई।

मां ने दलील दी कि अलग होने के कारण दोनों बच्चों को मनोवैज्ञानिक आघात हो सकता है और इसलिए उन्हें यहीं ब्रिटिश स्कूल में दाखिला दिया जाना चाहिए या ब्रिटेन में उसी स्कूल में भेजा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह बच्चों के हित में है कि उसे "टूटे हुए घर के बोझिल माहौल" से निकालकर उचित शिक्षा और स्वस्थ विकास के अच्छे अवसर के लिए एक जगह पर रखा जाए।

बच्चों के साथ अपनी बातचीत के आधार पर, अदालत ने पाया कि वे विदेश में पढ़ने के इच्छुक थे तथा कड़ी मेहनत के माध्यम से अपने संबंधित स्कूलों में प्रवेश पाने में सक्षम थे, तथा शुरुआत में मां ने खुद पिता के साथ संयुक्त रूप से उन्हें अध्ययन के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का निर्णय लिया था। पीठ ने अपने हालिया आदेश में कहा, "तो मामला यह है कि, अपीलकर्ता मां की यह आशंका कि वे (बच्चे) मनोवैज्ञानिक आघात से पीड़ित हो सकते हैं, उसके (मां के) अपने डर और चिंता से पैदा हुई प्रतीत होती है, जिसे बच्चों तक प्रसारित करने या उनके भविष्य के शैक्षिक मार्ग में बाधा बनाने की आवश्यकता नहीं है।"

पीठ में न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा भी शामिल हैं। पीठ ने कह–, "बच्चों की भलाई के लिए एक मां की चिंता को कभी भी जरूरत से अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता.. इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बच्चों को माता–पिता से दूर विदेश भेजने से उनके कल्याण से किसी भी तरह का समझौता नहीं होगा, खासकर जब बच्चों ने इतनी मेहनत की हो।" अदालत ने कहा कि मां की बिना किसी ठोस आधार वाली चिंताओं के कारण बच्चों की रुचि और कड़ी मेहनत को बर्बाद नहीं किया जा सकता। अदालत ने आदेश में यह भी कहा कि जब पति–पत्नी के बीच कड़वे झगड़ों के परिणामस्वरूप घर का माहौल तनाव से भर जाता है, तो बच्चे का स्वस्थ विकास गंभीर रूप से प्रभावित होता है।

फ्रिज में भी रखा रह जाता है आधा कटा नींबू? बर्बादी से बचाने के लिए ऐसे करें स्टोर

नींबू कई भारतीय डिशेज का टेस्ट बढ़ाने के काम आता है। यह विटामिन सी का भी बढ़िया सोर्स है। तो कोशिश करें कि किसी न किसी तरह से नींबू आहार में शामिल करें। यह आपकी इम्यूनिटी और स्किन के लिए भी अच्छा है। नींबू के स्टोरेज को लेकर अक्सर दिक्कतें आती हैं। कई बार नींबू की कुछ बूंदों की जरूरत होती है और आधा कटा नींबू रखा–रखा खराब हो जाता है। यहां कुछ किचन हैक्स हैं जो आपके काम आ सकते हैं।

3–4 दिन स्टोर करना हो तो...

नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है। इसे कई डिशेज में खट्टापन लाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। नींबू का जूस भी नमकध्चीनी या दोनों के साथ पिया जाता है। ज्यादातर घरों में अगर आप फ्रिज चेक करें तो इसमें कहीं न कहीं आधा नींबू रखा दिख जाएगा। नींबू ऐसे रखने से इसकी फ्रेशनेस जाती है साथी ही कुछ वक्त बाद यह यूज का भी नहीं रहता। इसके लिए एक तरीका है कि एक कांच का ढक्कन वाला जार लें। इसमें कुछ नींबू निचोड़कर फ्रिज में स्टोर कर लें। इससे आप खाना बनाते वक्त नींबू का रस निकालने के झंझट से बचे रहेंगे और नींबू बर्बाद नहीं होगा। ये नींबू का रस 3 से 4 दिन के लिए सही रहता है बाद में इसका स्वाद बदल जाता है।

जिप–टॉप बैग

आपको लग रहा है कि 3 दिन हो गए और रस ज्यादा बचा है तो इसे पानी के जूस बनाकर पी लें और जार में नया रस स्टोर कर लें। अगर आप चाहते हैं कि बिना कटे नींबू लंबे वक्त तक फ्रेश रहें तो आप इन्हें जिप–टॉप बैग में स्टोर करें। इससे यह करीब एक महीने तक फ्रेश रह सकते हैं। कटा नींबू भी इसमें रख सते हैं।

आइसक्यूब जमाएं

नींबू के रस को लंबे समय तक स्टोर करने के लिए इसे आइसक्यूब्स में जमा लें। इनको शिकंजी वगैरह में जरूरत के हिसाब से यूज करें। ध्यान रखें विटामिन सी आपकी हेल्थ और ब्यूटी के लिए भी अच्छा होता है। इसलिए रोजाना नींबू का रस पीना भी जरूरी है। इसे महीने भर के अंदर यूज कर लें।

इन फलों से रखें दूर

नींबू को ऐसे फल–सब्जियों के पास न रखें जिनसे इथाइलिन निकलता है। जैसे सेब, केला, आम, पाइनऐप्पल, कीवी, खुबानी, ऐवोकाडो।

संक्षिप्त

उद्योगों को बैंक ऋण की वृद्धि दर सितंबर में घटकर 7.3 प्रतिशत रही: आरबीआई

सितंबर में उद्योगों को दिए जाने वाले बैंक ऋण की वृद्धि घटकर 7.3 प्रतिशत रह गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 8.9 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आरबीआई ने कहा कि सालाना आधार पर 19 सितंबर, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक गैर–खाद्य बैंक ऋण में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल के इसी पखवाड़े (20 सितंबर, 2024) के दौरान यह 13 प्रतिशत थी। केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रीय आवंटन पर आंकड़े जारी किए हैं, जो 41 चुनिंदा वाणिज्यिक बैंकों से जमा किए हैं। ये ऋण सभी बैंकों के कुल गैर–खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हैं। सितंबर महीने में बैंक ऋण के क्षेत्रवार आवंटन पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, उद्योगों को दिए गए ऋण में पिछले साल के इसी पखवाड़े में 8.9 प्रतिशत की तुलना में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को दिए गए ऋण में दहाई अंकों में वृद्धि जारी रही। प्रमुख उद्योगों में इंजीनियरिंग, बुनियादी ढांचा, वस्त्र, और वाहन को दिए गए ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके अलावा कृषि और संबद्ध गतिविधियों को दिए गए ऋण में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के इसी पखवाड़े में 16. 4 प्रतिशत था। आंकड़ों से पता चला कि सेवा क्षेत्र को दिए गए अग्रिमों में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि धीमी रही। दूसरी ओर पर्यटन, होटल और रेस्तरां, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और वाणिज्यिक अचल संपत्ति जैसे क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि देखी गई। आरबीआई ने कहा कि व्यक्तिगत ऋण क्षेत्र में सालाना 11.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक साल पहले यह 13.4 प्रतिशत थी।

जीएसटी कटौती से छोटी कारों की बिक्री में आई तेजी: मारुति सुजुकी चेयरमैन

अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से छोटी कारों की मांग में आई तेजी दर्शाती है कि भारतीय उपभोक्ताओं के अब छोटी कारों की जगह बड़े आकार वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की धारणा गलत है। भार्गव ने कहा कि बदले हुए हालात में कुछ कार विनिर्माता कंपनियां अपने उत्पादों की पेशकश में संशोधन कर सकती हैं। भार्गव ने कंपनी के तिमाही नतीजों पर चर्चा के दौरान संवाददाताओं से कहा कि मारुति सुजुकी अपनी पांचवें विनिर्माण संयंत्र की स्थापना का फैसला करने के करीब है और अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा की जा सकती है। जीएसटी दरों में कमी के समग्र वाहन बिक्री पर पड़े प्रभावों पर उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी 2030–31 के लिए अपने उत्पादन और बिक्री अनुमान में संशोधन करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा, त्योहारों के दौरान हमारी खुदरा बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर रही, जिसमें छोटी कारों की बिक्री का प्रमुख योगदान रहा। बड़ी कारें भी बिक रही हैं, लेकिन उतनी ज्यादा नहीं। जीएसटी दरों में संशोधन के बाद 1,200 सीसी से कम इंजन क्षमता और 4,000 मिमी तक लंबाई वाले पेट्रोल, एलपीजी एवं सीएनजी वाहनों पर जीएसटी कर की दर 28 प्रतिशत एवं उपकर से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। भार्गव ने अक्टूबर महीने के बिक्री प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा, इस दौरान 18 प्रतिशत जीएसटी वाली श्रेणी में हमारी खुदरा बिक्री में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बड़ी कारों की बिक्री में भी लगभग चार–पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर हमने खुदरा बिक्री में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी है। उन्होंने कहा कि इससे यह धारणा गलत साबित हुई है कि कारों को लेकर सभी भारतीयों की आकांक्षाएं बदल गई हैं और कोई भी छोटी कार नहीं खरीदना चाहता है। भार्गव ने कहा कि अब भी बहुत से लोग छोटी कारें खरीदना चाहते हैं ताकि वे बेहतर निजी आवागमन का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा, मारुति में लगभग 70 प्रतिशत उत्पादन '18 प्रतिशत जीएसटी' श्रेणी में होता है। अब हमें उत्पादों के मिश्रण में बदलाव देखने को मिलेगा। भार्गव ने कहा कि इस श्रेणी के वाहनों की खुदरा बिक्री 40 प्रतिशत जीएसटी वाले वाहनों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगी।

Ford ने की शानदार वापसी: चेन्नई प्लांट फिर शुरू करेगी कंपनी, 3,250 करोड़ निवेश से 600 नौकरियां

अमेरिकी ऑटोमोबाइल कंपनी फोर्ड ने एक बार फिर भारत में अपने निर्माण कार्य को शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी जल्द ही चेन्नई स्थित अपने मारेमलई नगर प्लांट में उत्पादन दोबारा शुरू करने जा रही है, जहां अब नई पीढ़ी के इंजन बनाए जाएंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, फोर्ड ने इस परियोजना में शुरुआती निवेश के तौर पर घ3,250 करोड़ लगाने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, इस निवेश से 600 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। गौरतलब है कि फोर्ड ने वर्ष 2021 में अपने चेन्नई संयंत्र का संचालन बंद कर दिया था। हालांकि, सितंबर 2024 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के अमेरिका दौरे के दौरान कंपनी ने राज्य सरकार को एक स्मजजमत वि प्दजमदज (स्व) सौंपते हुए फिर से उत्पादन शुरू करने की इच्छा जताई थी। बता दें कि अब उस पहल को आगे बढ़ाते हुए फोर्ड और तमिलनाडु सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन (डवन) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते में यह तय किया गया है कि भारत को फोर्ड की वैश्विक थ्वतक+ योजना के तहत एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मौजूदा योजना के तहत, इस वर्ष के अंत तक परियोजना का काम शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद चेन्नई संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2,35,000 इंजन तक बढ़ाई जाएगी और 2029 तक उत्पादन शुरू होने का अनुमान है। फोर्ड मोटर कंपनी के इंटरनेशनल मार्केट्स ग्रुप के अध्यक्ष जेफ मारेन्टिक ने कहा कि "हम चेन्नई संयंत्र की भूमिका को लेकर उत्साहित हैं और तमिलनाडु सरकार के सहयोग के लिए आभारी हैं।

विश्व कप के फाइनल में कभी नहीं भिड़े भारत–द.अफ्रीका, जानें टूर्नामेंट में कौन किस पर भारी ?

नई दिल्ली। महिला वनडे विश्व कप अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और खिताब के लिए कौन सी दो टीमें आमने–सामने होंगी ये तय हो गया है। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इन दोनों ही टीमों ने कभी विश्व कप का खिताब नहीं जीता है, इसलिए ये तय है कि इस बार महिला क्रिकेट को नया चौंपियन मिलेगा।

सेमीफाइनल में दोनों ने मजबूत टीमों के हराया

भारत और दक्षिण अफ्रीका के लिए फाइनल में पहुंचना आसान नहीं था क्योंकि दोनों ही टीमों के सामने सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती थी। दक्षिण अफ्रीका का सामना जहां सेमीफाइनल में इंग्लैंड से था तो वहीं भारत के सामने सात बार की चौंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम थी। दिलचस्प बात यह है कि जैसे इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप चरण में हराया था, वैसे ही ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत पर भारी पड़ी थी। इसके बावजूद भारत और दक्षिण अफ्रीका के इरादे नहीं डगमाए और इन दोनों ने सेमीफाइनल की बाधा को पार किया और खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने में सफल रहीं। अब दोनों ही टीमें अपने पहले विश्व कप खिताब से एक कदम की दूरी पर हैं।

महिला विश्व कप में भारत–दक्षिण अफ्रीका का सफर

भारत और दक्षिण अफ्रीका के महिला विश्व कप 2025 में सफर पर नजर डालें तो दोनों का प्रदर्शन ग्रुप चरण में अच्छा रहा था। दक्षिण अफ्रीका की टीम सात मैचों में पांच जीत और दो हार के साथ 10 अंक लेकर तीसरे स्थान पर थी, जबकि मेजबान भारतीय टीम सात मैचों में तीन जीत, तीन हार और एक बेनतीजा मैच के साथ सात अंक लेकर चौथे स्थान पर रहते ही सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी।

हार की हैट्रिक लगाकर भारत ने वापसी

भारत ने महिला विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत सह मेजबान श्रीलंका को बारिश से बाधित मुकाबले में 59 रनों से हराकर की। इसके बाद उसने अगले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 88 रनों से हराया। लगातार दो जीत के बाद भारतीय अभियान को उस वक्त झटका लगा जब उसने हार की हैट्रिक लगाई और उस वक्त लगा कि कहीं भारत का सफर ग्रुप चरण में ही ना थम जाए। भारत को पहले इसी दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ तीन विकेट से हार मिली जिसके खिलाफ उसे रविवार को फाइनल खेलना है। फिर टीम को ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट से और इंग्लैंड ने चार रन हराया। भारत के लिए अब न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच जीतना बहुत अहम था। दोनों ही टीमों के लिए यह मैच वर्चुअल नॉकआउट की तरह था, लेकिन भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की शानदार पारियों से न्यूजीलैंड के सामने विशाल लक्ष्य रखा और बारिश से बाधित मुकाबले में डीएलएस के जरिये 53 रनों से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम का ग्रुप चरण का अगला मैच बांग्लादेश से था, लेकिन बारिश के कारण ये मुकाबला धुल गया।

खराब शुरुआत से उबरकर फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका टीम के विश्व कप में अभियान की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही थी। उसे इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, इसके बाद टीम ने मजबूत वापसी की और लगातार पांच मुकाबले जीते। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को छह विकेट से, भारत को तीन विकेट से, बांग्लादेश को तीन विकेट से, श्रीलंका को डीएलएस के जरिये 10 विकेट से और पाकिस्तान को 150 रनों से शिकस्त दी। लेकिन गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे ग्रुप चरण के अंतिम मैच में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम का मनोबल फिर भी नहीं डगमगाया और उन्होंने सेमीफाइनल में मजबूत वापसी करते हुए इंग्लैंड को हराया।

विश्व कप में बराबरी पर हैं दोनों टीमें

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप के फाइनल में कभी आमना–सामना नहीं हुआ है। लेकिन दोनों ही टीमें छह बार महिला विश्व कप में एक दूसरे के खिलाफ खेली हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट में बराबरी पर हैं क्योंकि दोनों ही टीमों ने तीन–तीन बार एक दूसरे के खिलाफ जीत दर्ज की है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार ऋषभ पंत, बोले- चोट से पूरी तरह मुक्त हुआ

बंगलूरू। ऋषभ पंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी वापसी के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड में पैर में फ्रैक्चर के बाद से मैदान से बाहर चल रहे इस तेजतर्रार विकेटकीपर बल्लेबाज ने पुष्टि की है कि वह अब उस चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं जिसके कारण वह महीनों तक मैदान से बाहर रहे थे। पंत फिलहाल भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बंगलूरू में खेले जा रहे पहले अनौपचारिक टेस्ट में हिस्सा ले रहे हैं और टीम की अगुआई कर रहे हैं।

वोक्स की गेंद पर चोटिल हुए थे पंत

पंत को इंग्लैंड में मैनचेस्टर टेस्ट मैच के दौरान चोट लगी थी। क्रिस वोक्स के खिलाफ रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में, गेंद उनके दाहिने पैर पर लग गई थी जिससे फ्रैक्चर हो गया था। अपने लचीले स्वभाव के अनुरूप पंत शुरुआत में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद भी अपनी पारी जारी रखने के लिए क्रीज पर लौटे और एक बार फिर अपने खेल की पहचान बने दृढ़ संकल्प और साहस का परिचय दिया।

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ की वापसी

पंत चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच से भी बाहर हो गए थे, लेकिन उन्हें दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया। पंत इस मैच में बल्लेबाजी करने उतरे, लेकिन 17 रन बनाकर सस्ते में आउट हो गए। ये महीनों के रिहैबिलिटेशन के बाद उनका पहला मैच था। मैच से इतर पंत ने अपनी रिकवरी यात्रा के बारे में बताया और इस बात पर राहत व्यक्त की कि उनकी उपचार प्रक्रिया कितनी आसानी से पूरी हो गई।

सीओई स्टाफ को दिया धन्यवाद

पंत ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में कहा, प्रक्रिया का पहला चरण था घाव भरना। पहले छह सप्ताह तक आपको फ्रैक्चर को ठीक होने देना होता है और फिर सीओई को रिपोर्ट करना होता है। शुक्र है घाव ठीक से भर गया। मैंने धीरे–धीरे रिहैब शुरू किया। शुरुआती दिनों में काफी फिजियोथेरेपी और सावधानीपूर्वक निगरानी की जरूरत पड़ी। जब मैं कुछ हद तक चलने–फिरने में सक्षम हो गया, तो मैंने अपनी ताकत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया, जो दूसरे चरण की शुरुआत थी। अभी मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मैं पूरी तरह से ठीक हो गया हूं और इस दौरान मेरी मदद करने के लिए मैं सीओई स्टाफ का बहुत आभारी हूं।

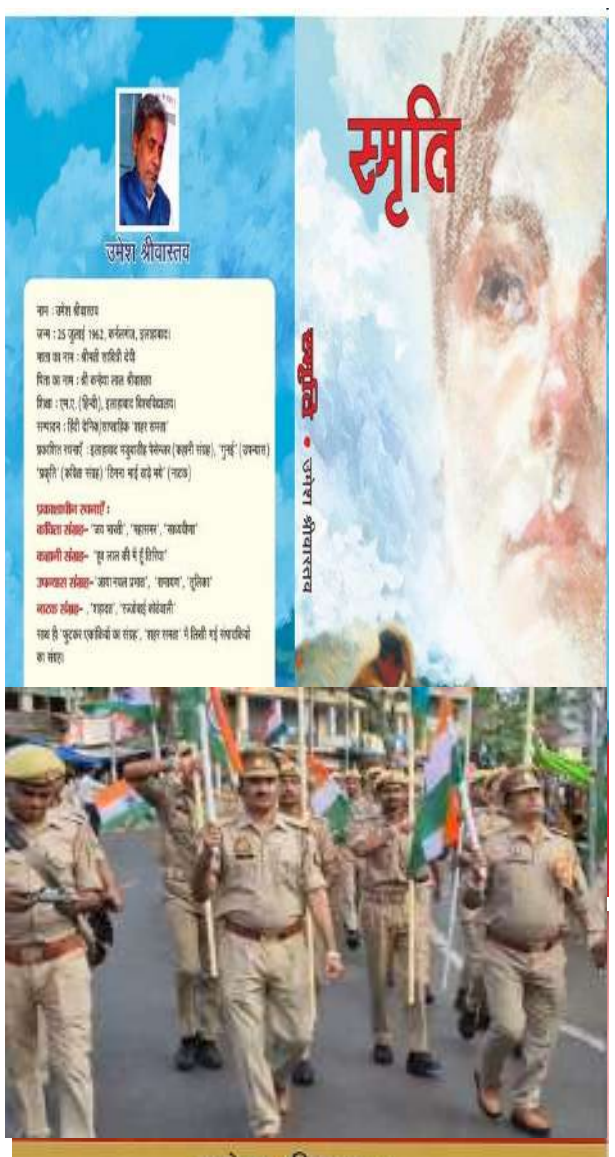

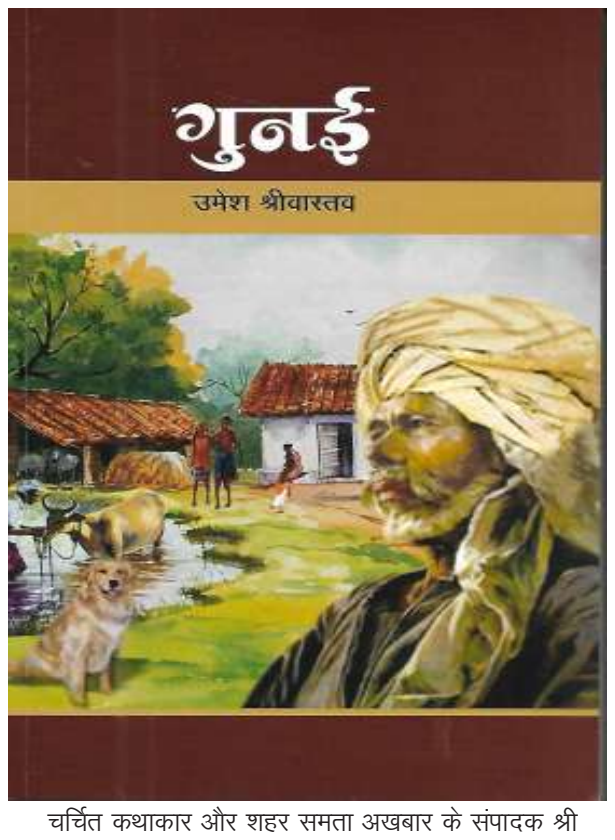

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

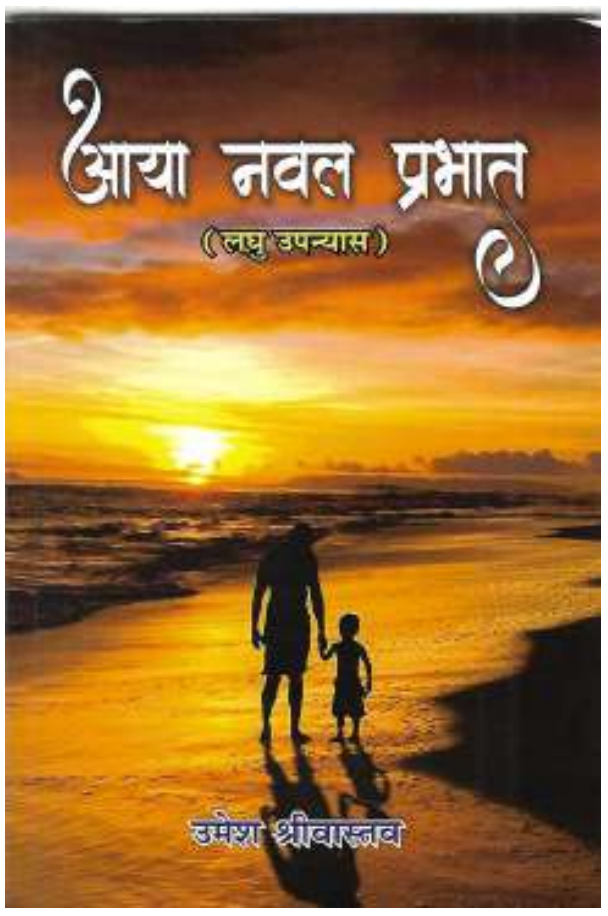

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

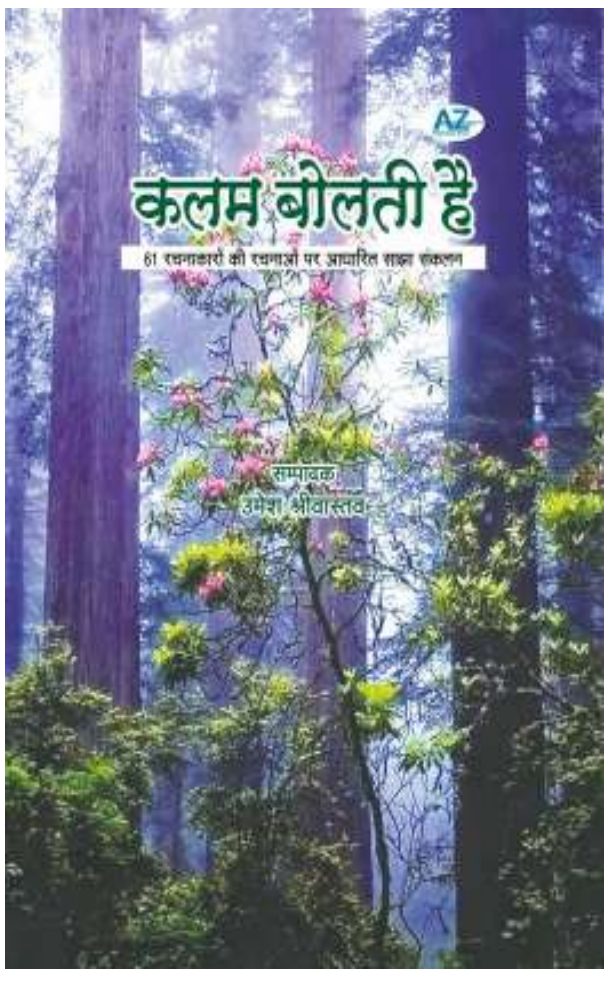

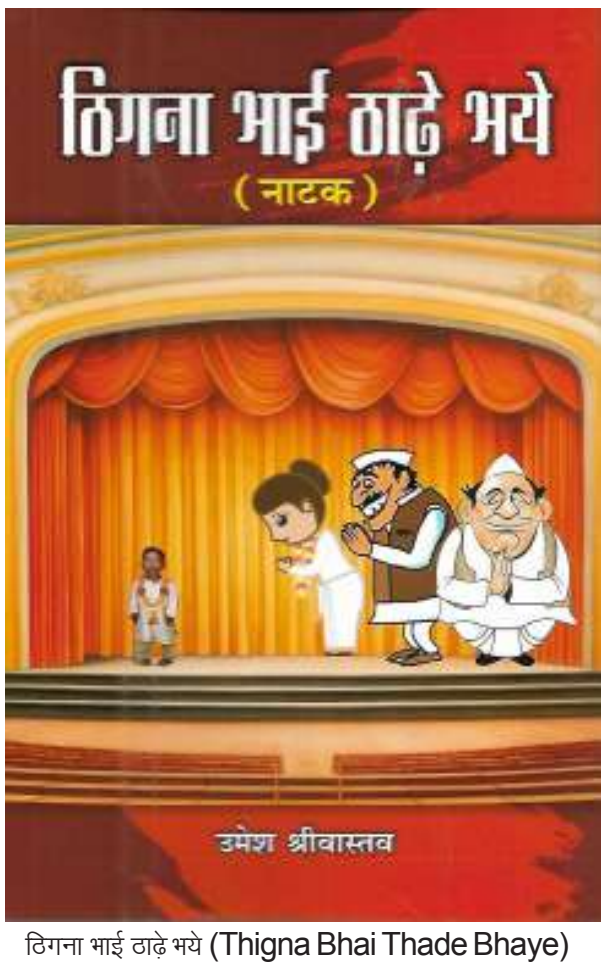

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

APEC में चीन की धमक: अमेरिका की गैरमौजूदगी, शी जिनपिंग के इर्द-गिर्द घूम रही विश्व राजनीति

दक्षिण कोरिया के ऐतिहासिक शहर ग्योंगजू में आयोजित हो रहे एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) शिखर सम्मेलन में इस बार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग केंद्र में नज़र आने वाले हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को वे कनाडा और जापान के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब हाल ही में चीन और अमेरिका के बीच एक अस्थायी व्यापार समझौता हुआ है, जिसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने वाले दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंधों को रोक दिया है। गौरतलब है कि यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण कोरिया से रवाना होने से ठीक पहले हुआ था। बता दें कि ट्रंप इस बार एपीईसी के दो दिवसीय मुख्य सत्र में शामिल नहीं होंगे, और उनकी जगह अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का मुख्य विषय इस बार वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और व्यापार में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है, हालांकि इस संगठन में लिए गए निर्णय बाध्यकारी नहीं होते हैं। मौजूदा स्थिति में सभी की नज़रें शी जिनपिंग और जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची की मुलाकात पर टिकी हैं। ताकाइची हाल ही में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं और उनके राष्ट्रवादी विचारों और सुरक्षा नीतियों को लेकर चीन में चिंता जताई

जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्होंने अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही जापान के द्वीपों की रक्षा के लिए सैन्य तैयारी को तेज़ करने के निर्देश दिए हैं। दोनों देशों के बीच जापानी नागरिकों की चीन में हिरासत और जापानी कृषि उत्पादों पर बीजिंग के आयात प्रतिबंध जैसे संवेदनशील मुद्दे भी चर्चा में शामिल हो सकते हैं। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भी शुक्रवार शाम 4 बजे शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। उनका उद्देश्य चीन के साथ फिर से संवाद की शुरुआत करना है। बता दें कि कनाडा और चीन के रिश्ते पिछले कुछ वर्षों में तनावपूर्ण रहे हैं। कार्नी से पहले प्रधानमंत्री रहे जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में कनाडाई नागरिकों की चीन में गिरफ्तारी और फांसी की घटनाओं के बाद दोनों देशों के बीच मतभेद गहरे हो गए थे। हाल ही में चीन ने कनाडा से आयातित कैनोला तेल पर एंटी–डंपिंग शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जबकि कनाडा ने पहले चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100 : टैरिफ लगाया था। दूसरी ओर, सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री ली जे म्युंग ने ष्एशिया–प्रशांत क्षेत्र में सहयोग की भावना को पुनर्जीवित करनेष पर चर्चा की अध्यक्षता की है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्युन के अनुसार, इस बार भी एक संयुक्त बयान को लेकर बातचीत जारी है, लेकिन यह तय नहीं है कि कोई ठोस समझौता हो पाएगा या नहीं। याद दिला दें कि 2018 और 2019 में भी एपीईसी किसी संयुक्त घोषणा पर सहमति नहीं बना पाया था। इसी बीच, एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग भी सम्मेलन के समानांतर चल रही व्यापारिक बैठक में संबोधन देंगे। एनवीडिया हाल ही में 5 ट्रिलियन डॉलर के मूल्यांकन तक पहुंचने वाली दुनिया की पहली टेक कंपनी बनी है। हालांकि, अमेरिका द्वारा चीन को एडवांस्ड एआई चिप्स की बिक्री का मुद्दा इस बार शी–जिनपिंग और ट्रंप की बैठक में चर्चा से बाहर रहा है। कुल मिलाकर, एपीईसी सम्मेलन इस बार कई भू–राजनीतिक तनावों के बीच एक अहम मंच बन गया है, जहां चीन के बढ़ते प्रभाव, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और वैश्विक सहयोग की दिशा तय होती दिखाई दे रही हैं।

धर्म को लेकर जेडी वेंस–उषा तलाक की अफवाहें गरमाई, क्या एरिका किर्क से नजदीकियां बनी वजह?

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस इन दिनों सुर्खियों में हैं। दरअसल, हाल ही में टर्निंग पॉइंट यूएसए कार्यक्रम में वेंस के एक बयान ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं उनकी पत्नी उषा, जो हिंदू हैं, एक दिन ईसाई धर्म को अपनाएं। यह टिप्पणी उस वक्त आई जब एक छात्र ने उनसे उनके धर्म और विवाह को लेकर सवाल

किया था। गौरतलब है कि जे.डी. वेंस पहले प्रोटेस्टेंट ईसाई थे और 2019 में उन्होंने कैथोलिक धर्म अपना लिया था। उन्होंने कहा कि "मैं चाहता हूं कि मेरी पत्नी भी उसी तरह प्रभावित हो जैसे मैं हुआ था, लेकिन अगर वह ऐसा नहीं करतीं, तो यह उनका अधिकार है।" इस बयान के बाद अमेरिकी–भारतीय समुदाय में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। बता दें कि उषा वेंस का जन्म एक तेलुगू हिंदू परिवार में हुआ था और उन्होंने अब तक अपने धर्म को नहीं छोड़ा है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि वे "कन्वर्ज़न की कोई योजना नहीं रखतीं" और उनके बच्चे दोनों परंपराओं हिंदू और ईसाई से परिचित हैं। वहीं, इस पूरे विवाद के बीच वेंस दंपति के तलाक की अफवाहों ने भी तूल पकड़ लिया है। सोशल मीडिया पर कुछ यूज़र्स का दावा है कि जे.डी. वेंस अपनी पत्नी से अलग होने की तैयारी में हैं। इतना ही नहीं, कुछ लोगों ने उन्हें एरिका किर्क जो पूर्व ट्रंप सलाहकार चार्ली किर्क की विधवा हैं के साथ रोमांटिक रूप से जोड़ना भी शुरू कर दिया है। हाल ही में वायरल हुई एक तस्वीर में वेंस को एरिका के साथ मंच पर गले मिलते हुए देखा गया, जिसके बाद अटकलें और तेज हो गईं। हालांकि, इस दावे की अब तक किसी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वेंस और उषा की शादी 2014 में हुई थी, जिसमें हिंदू पंडित और कैथोलिक पादरी दोनों ने विवाह संपन्न कराया था। सोशल मीडिया पर कई भारतीय–अमेरिकी यूज़र्स ने वेंस पर "हिंदूफोबिया" और "पाखंड" के आरोप लगाए हैं। पूर्व भारतीय विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने भी वेंस की आलोचना करते हुए कहा कि वे अपनी पत्नी की हिंदू पहचान स्वीकार करने से "कतराते" हैं। मौजूदा जानकारी के अनुसार, यह विवाद वेंस की राजनीतिक छवि पर असर डाल सकता है, खासकर 2028 के संभावित राष्ट्रपति चुनाव से पहले। वहीं, उषा वेंस ने अब तक अपने धर्म और पहचान पर डटे रहने का संदेश दिया है और कहा है कि "आस्था व्यक्तिगत होती है, जिसे किसी और के नजरिए से नहीं तौला जा सकता" हैं।

यूक्रेन की 'जीवन रेखा' पर रूस का प्रहार, द्नेप्रोपेट्रोव्स्क पुल नष्ट, कीव को भारी झटका

रूसी सेना ने पिछले हफ़्ते यूक्रेन में हमले और घेराबंदी तेज़ कर दी है, और प्रमुख सैन्य और रसद केंद्रों को निशाना बनाया है। इस बड़े हमले में, रूस ने यूक्रेन के द्नेप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में एक रणनीतिक पुल पर सटीक हवाई हमला किया, जिससे वह पूरी तरह नष्ट हो गया। यह पुल, यूक्रेनी सेना के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्ति मार्ग था, जहाँ से हथियार, सैन्य उपकरण और कर्मी आते–जाते थे, जिससे इसका नष्ट होना कीव के लिए एक बड़ा झटका बन गया। प्रमुख आपूर्ति लाइन नष्ट रूसी वायु सेना ने पुल पर सटीक निशाना साधा, जिससे वह मलबे में तब्दील हो गया। यूक्रेनी सेनाएँ आवश्यक सैन्य आपूर्ति और सुदृढीकरण, विशेष रूप से पूर्वी मोर्चे तक, पहुँचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर थीं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस हमले को ष्एक सैन्य लक्ष्य पर लक्षित हमलाष बताया, जिसका उद्देश्य यूक्रेन की रसद श्रृंखला को बाधित करना था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

भारत छोड़िए तालिबान ने पाकिस्तान से उगलवाया सच

अफगानिस्तान पर ड्रोन अटैक के पीछे ट्रंप का हाथ

दुश्मन को हराना आसान है लेकिन उससे उसकी गलती उगलवाना मुश्किल है और आज पाकिस्तान के साथ ठीक वही हुआ। भारत अगर चाहे तो पाकिस्तान को एक झटके में नक्शे से मिटा सकता है। लेकिन भारत कभी यह नहीं कर पाया इतिहास में पहली बार पाकिस्तान ने लिखित में मान लिया कि उसने एक विदेशी देश को अपनी जमीन दूसरे देशों पर हमला करने के लिए दे रखी थी। यानी पाकिस्तान अब सिर्फ देश नहीं किराए का एयर बेस बन चुका है। तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में तालिबान और पाकिस्तान के बीच बातचीत चल रही थी। मकसद था सीज फायर डील यानी युद्ध विराम।

पाकिस्तान किसी भी कीमत पर यह समझौता करना

चाहता था क्योंकि तहरीक तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी के हमलों से अब पूरा पाकिस्तान थर्रा चुका है। पाकिस्तान के बॉर्डर इलाकों में

रोज धमाके होते हैं और डर की बात यह है कि पाकिस्तान के अंदर की जनता तालिबान के साथ खड़ी है। वो सरकार से नहीं कट्टरपंथियों से वफादारी निभा रही है। इसी हालात का फायदा उठाकर तालिबान ने और पाकिस्तान से वो सच उगलवा लिया जो भारत कभी नहीं कर पाया।

तालिबान ने पाकिस्तान से पूछा अफगानिस्तान में हाल ही में हुए

जो ड्रोन हमले हुए हैं वो किसने कराएं? पाकिस्तान ने पहले बचने की कोशिश की लेकिन जब तालिबान ने धमकी दी सीज फायर खत्म कर देंगे तो पाकिस्तान ने कहा वो हम नहीं वो एक विदेशी देश कर रहा है। तालिबान ने पूछा कौन सा देश? तो पाकिस्तान ने कहा हम नाम नहीं बता सकते लेकिन हमारे बीच एक गोपनीय यानी कि सीक्रेट डील हुई है। पाकिस्तान ने पहली बार स्वीकार किया है कि उसके पास अमेरिका के साथ एक ऐसा समझौता है, जिसके तहत अमेरिकी ड्रोन उसके हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल कर सकते हैं। अफगान मीडिया ज्व्स्व्दमू की रिपोर्ट के अनुसार, यह खुलासा तुर्किये में हुई हालिया पाकिस्तान–अफगानिस्तान शांति वार्ता के दौरान हुआ। पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने बातचीत में कहा कि वह इस समझौते को तोड़ नहीं सकता, क्योंकि इससे ड्रोन संचालन को लेकर वॉशिंगटन को अनुमति मिली हुई है। अफगान वार्ताकारों ने पाकिस्तान से लिखित आश्वासन मांगा कि वह अमेरिकी ड्रोन को अपने हवाई क्षेत्र से अफगानिस्तान पर हमले की इजाजत नहीं देगा। शुरू में पाकिस्तानी दल ने इस पर सहमति जताई, लेकिन बाद में इस्लामाबाद से निर्देश मिलने के बाद उसने रुख बदल लिया और कहा कि उसके पास अमेरिकी ड्रोन पर नियंत्रण नहीं है और वह ष्ै के खिलाफ कार्रवाई की गारंटी नहीं दे सकता। अफगान पक्ष ने दोहराया कि तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (ज्ज्च) का मुद्दा पूरी तरह पाकिस्तान का आंतरिक मामला है और काबुल अपनी जमीन किसी अन्य देश के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देगा।

अमेरिका फिर शुरू करेगा परमाणु परीक्षण, ट्रंप का एलान; रूस–चीन की बढ़ती गतिविधियों का दिया हवाला

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि अमेरिका अब परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करेगा। ट्रंप ने कहा कि रूस और चीन जैसे देश लगातार परमाणु गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, इसलिए अब अमेरिका भी पीछे नहीं रहेगा। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वे शीत युद्ध के दौरान आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले पारंपरिक भूमिगत परमाणु परीक्षणों को भी शामिल करेंगे, तो उन्होंने अप्रत्यक्ष जवाब दिया। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा आपको बहुत जल्द पता चल जाएगा। लेकिन हम कुछ परीक्षण करने वाले हैं। दूसरे देश ऐसा करते हैं। अगर वे ऐसा करने वाले हैं, तो हम भी करेंगे। मैं यहां कुछ नहीं कहूंगा। उनके इस बयान के बाद वैश्विक स्तर पर नए परमाणु हथियार दौड़ की आशंका तेज हो गई है। इससे पहले बुधवार को ट्रंप ने पेंटागन को निर्देश दिया था कि वह तुरंत परमाणु हथियारों के परीक्षण की तैयारी शुरू करे। उन्होंने कहा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास दुनिया में सबसे अधिक परमाणु हथियार हैं। यह मेरे पहले कार्यकाल के दौरान पूरी तरह से अपग्रेड किया गया था। मुझे यह करना पसंद नहीं, लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं था।

कब और क्यों रुके थे अमेरिकी परमाणु परीक्षण?

अमेरिका ने 1945 से 1992 तक कुल 1,054 परमाणु परीक्षण किए, जिनमें से अधिकतर नेवादा रेगिस्तान में हुए। पर्यावरणीय चिंताओं और शीत युद्ध के बाद बढ़ते दबाव के चलते इन परीक्षणों पर रोक लगाई गई थी। 1963 में अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ ने आंशिक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसने वायुमंडलीय और समुद्री परीक्षणों को प्रतिबंधित किया। 1992 में अमेरिकी कांग्रेस ने भूमिगत परीक्षणों पर भी रोक लगाई। हालांकि अमेरिका ने व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर किए, लेकिन अब तक इसकी रैटिफिकेशन (स्वीकृति) नहीं की गई है।

वैश्विक प्रतिक्रिया और चिंताएं

विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से पर्यावरणीय खतरे

और वैश्विक अस्थिरता बढ़ सकती है। नेवादा के सांसदों ने इसे लोक स्वास्थ्य और शांति के लिए खतरा बताते हुए कहा कि यह फैसला दुनिया को फिर से शीत युद्ध जैसी स्थिति में धकेल सकता है।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका पहले से ही सुपरकंप्यूटर और सिमुलेशन तकनीक के जरिये अपने परमाणु हथियारों की सुरक्षा जांच करता है, इसलिए वास्तविक परीक्षण की कोई तकनीकी आवश्यकता नहीं है। दूसरी ओर, ट्रंप के समर्थक इसे रूस और चीन को चेतावनी देने का कदम बता रहे हैं। उनका तर्क है कि अमेरिका को अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करना चाहिए ताकि किसी को उसकी क्षमता पर संदेह न रहे।

अमेरिका में बच्चों के फ्लोराइड सप्लीमेंट पर FDA की सख्ती, तीन साल से कम उम्र के लिए उपयोग पर रोक

वॉशिंगटन। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बच्चों के लिए फ्लोराइड सप्लीमेंट्स के उपयोग पर सख्ती दिखाते हुए नई सीमाएं तय की हैं। नई गाइडलाइन के तहत, अब तीन साल से कम उम्र के बच्चों को ये सप्लीमेंट नहीं दिए जाएंगे, जबकि बड़े बच्चों को भी केवल उन्हीं मामलों में इसकी अनुमति होगी, जहां दांतों में गंभीर सड़न या क्षय का खतरा हो। एजेंसी का कहना है कि यह कदम बच्चों की सुरक्षा और दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। पहले ये सप्लीमेंट्स छह महीने के बच्चों तक को दिए जा सकते थे। अब एफडीए ने चार कंपनियों को चेतावनी पत्र भेजकर कहा है कि वे अपने उत्पादों का विपणन नए दिशा–निर्देशों के अनुरूप ही करें। एफडीए की नई वैज्ञानिक रिपोर्ट में कहा गया है कि फ्लोराइड सप्लीमेंट्स के लाभ सीमित हैं, जबकि इसके संभावित स्वास्थ्य जोखिम बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि इन सप्लीमेंट्स का आंत के माइक्रोबायोम, वजन बढ़ने और संज्ञानात्मक क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। एजेंसी ने कहा जिस तरह फ्लोराइड दांतों पर बैक्टीरिया को खत्म करता है, उसी तरह यह आंत के माइक्रोबायोम को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभाव पड़ सकते हैं। एफडीए ने दंत चिकित्सकों और स्वास्थ्य प्रदाताओं को भी एक नोटिस जारी करते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है। अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन ने एफडीए के निर्णय का विरोध किया है।

संक्षिप्त समाचार

टैरिफ विज्ञापन से आगबबूला ट्रम्प, अब कनाडा के च्ड मांगी माफी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पूर्व अमेरिकी नेता रोनाल्ड रीगन को दिखाने वाले टैरिफ विरोधी विज्ञापन के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से माफी मांगी और बताया कि ट्रम्प नाराज थे। कार्नी ने दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में पत्रकारों से कहा कि मैंने राष्ट्रपति से माफ़ी मांगी। राष्ट्रपति नाराज़ हो गए। ट्रम्प ने घोषणा की कि वह कनाडाई वस्तुओं पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाएंगे और ष्नकलीष टैरिफ–विरोधी विज्ञापन अभियान के बाद सभी व्यापार वार्ताओं को समाप्त कर दिया। जिस विज्ञापन के कारण यह विवाद हुआ, वह ओंटारियो के प्रीमियर डग फोर्ड द्वारा एक्स पर पोस्ट किया गया था। इसकी शुरुआत पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन की एक पुरानी क्लिप से हुई,

जिसमें टैरिफ के खिलाफ चेतावनी दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि ये पहली नज़र में देशभक्तिपूर्ण लग सकते हैं, लेकिन लंबे समय में... ये हर अमेरिकी कर्मचारी और उपभोक्ता को नुकसान पहुँचाएँगे। ओंटारियो ने टोरंटो ब्लू जेज़ और सिएटल मेरिनर्स के बीच अमेरिकन लीग चौम्पियनशिप सीरीज़ के खेल के दौरान विज्ञापन प्रसारित करने का निर्णय लिया। लेकिन रीगन प्रेसिडेंशियल फ़ाउंडेशन इससे खुश नहीं था। एनबीसी न्यूज़ के अनुसार, उसने कहा कि वह रीगन की टिप्पणियों के इस्तेमाल को लेकर अपने कानूनी विकल्पों की समीक्षा कर रहा है, और आगे कहा कि ओंटारियो ने पूर्व राष्ट्रपति के रेडियो संबोधन के उपयोग और संपादन की अनुमति न तो मांगी थी और न ही उसे मिली थी। इसके बाद ट्रंप ने कनाडा पर एक श्नकलीश विज्ञापन का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिसमें उनके पूर्ववर्ती रोनाल्ड रीगन टैरिफ की आलोचना करते हुए दिखाई दे रहे थे, जिससे पिछले महीने अमेरिका के उत्तरी पड़ोसी के साथ व्यापार वार्ता रद्द हो गई थी। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, रोनाल्ड रीगन फाउंडेशन ने अभी घोषणा की है कि कनाडा ने धोखाधड़ी से एक विज्ञापन का इस्तेमाल किया है, जो कि नकली है, जिसमें रोनाल्ड रीगन टैरिफ के बारे में नकारात्मक बातें करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ब्लैकरॉक को भारतीय मूल के सीईओ ने लगाया करोड़ों का चूना!

अमेरिका की ब्रॉडबैंड टेलीकॉम और ब्रिजवॉयस कंपनी के भारतीय मूल के सीईओ बंकिम ब्रह्मभट्ट पर धोखाधड़ी करने के आरोप लगे हैं। उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी निवेश कंपनी ब्लैकरॉक समेत कई ऋणदाताओं के साथ कथित तौर पर 50 करोड़ डॉलर की धोखाधड़ी की है। भारतीय मूल के सीईओ पर आरोप है कि उन्होंने अपनी कंपनियों के जरिए फर्जी बिल बनाकर ऋण लिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में मुकदमा दायर किया गया था। हालांकि, ब्रह्मभट्ट के वकील ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। निवेश समूह ब्लैकरॉक की निजी ऋण निवेश शाखा– एचपीएस इन्वेस्टमेंट पार्टनर्स ने बंकिम ब्रह्मभट्ट के खिलाफ अगस्त में केस दर्ज कराया था। एचपीएस का कहना है कि ब्रह्मभट्ट की कंपनियों को 2020 में इस शर्त पर कर्ज दिया था कि वे ग्राहकों से मिलने वाले बकाया रकम को गिरवी रखेगें। बता दें कि एचपीएस इन्वेस्टमेंट पार्टनर्स को इस साल की शुरुआत में ब्लैकरॉक ने खरीदा था। ऋणदाता कंपनी ब्लैकरॉक का दावा है कि जब बंकिम ब्रह्मभट्ट की कंपनियों के खातों की सत्यापन प्रक्रिया शुरू हुई, तो पता चला कि ऋण की राशि भारत और मॉरीशस से जुड़े खातों में भेज दी गई थी। इसी रकम को गिरवी रखा जाना था। ब्लैकरॉक का आरोप है कि, यह धोखाधड़ी पूरी योजना के साथ की गई है। बंकिम ब्रह्मभट्ट को फाइनेंस करने में फ्रांस का एक बैंक बीएनपी परिबा भी शामिल है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

एशिया–प्रशांत सहयोग का नया दौर शुरू, चीन में होगा अगला एपीईसी शिखर सम्मेलन, जिनपिंग ने की घोषणा

बीजिंग/ग्योंगजू। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की कि वर्ष 2026 का एपीईसी शिखर सम्मेलन चीन के शेनझेन शहर में आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में एशिया–प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेता शामिल होंगे। दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में संपन्न इस साल की बैठक के समापन सत्र में शी ने यह एलान किया। उन्होंने कहा कि शेनझेन, जो कभी एक छोटा मछली पकड़ने वाला गांव था, आज आधुनिक अंतरराष्ट्रीय महानगर बन चुका है।

यह चीन के खुलेपन और विकास की कहानी का प्रतीक है। आने वाले साल में हम सब इसी शहर में एशिया–प्रशांत क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखेंगे। इस साल के एपीईसी सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। दोनों नेताओं के बीच टैरिफ और दुर्लभ खनिजों के व्यापार को लेकर नई सहमति बनी।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।